E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 92 | प्रयागराज, बुधवार 17 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

शुक्रवार तक हॉर्मुज पूरी तरह खुल जाएगा

अमेरिका-ईरान में पीस डील पर डिजिटल साइन हुए,19 जून को औपचारिक डील, ईरान को रू28 लाख करोड़ हर्जाना दे सकता है अमेरिका

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जिस पर आगे तकनीकी स्तर की बातचीत होगी। वहीं कुछ रिपोर्टों से सेना नहीं हटेगी। 3. मैक्रों ने यूरेनियम पर शर्त रखीः फ्रांस के

ने दावा किया है कि अमेरिका-ईरान समझौता पूरा हो चुका है और इस पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में औपचारिक हस्ताक्षर होंगे। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ट्रम्प, जेडी वेंस और ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ डिजिटल रूप से समझौते पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। हालांकि, समझौते का पूरा मसौदा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि दस्तावेज शुक्रवार के बाद जारी किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला एक शुरुआती मसौदा तैयार हुआ है, के मुताबिक ईरान को आर्थिक सहायता के लिए करीब 28 लाख करोड़ रुपए का पैकेज मिल सकता है, हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः- 1. ट्रम्प बोले- ईरान शर्तें पूरी करे तभी राहत मिलेगीः अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ किया कि ईरान को प्रतिबंधों से राहत तभी मिलेगी, जब वह समझौते की सभी शर्तों का पालन करेगा। अमेरिका ने फिलहाल किसी भी तत्काल आर्थिक राहत से इनकार किया है। 2. इजराइल ने डील से किनारा कियाः इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्वीर ने कहा कि यह ट्रम्प की डील है और इजराइल इससे बंधा नहीं है। वहीं रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी साफ किया कि दक्षिणी लेबनान राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार को निष्क्रिय कर आईएईए की निगरानी में रखा जाना चाहिए, ताकि उसका इस्तेमाल परमाणु हथियारों के लिए न हो सके। 4. ईरान ने समझौते को अपनी जीत बतायाः ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिका के साथ हुए समझौते को 'जीत का दस्तावेज' बताया। उन्होंने कहा कि इजराइल की नाराजगी ही साबित करती है कि बातचीत में ईरान मजबूत स्थिति में रहा। 5. दुनियाभर के देशों ने समझौते का स्वागत कियाः यूएई, कुवैत, स्विट्जरलैंड, कतर और पाकिस्तान समेत कई देशों ने अमेरिका-ईरान समझौते को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की दिशा में बड़ा कदम बताया है।

इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ाएं-एंटी ड्रोन सिस्टम की तैनाती शुरू, देश के प्रमुख ठिकानों पर- ड्रोन अटैक की आशंका,सरकार का एजेंसियों को अलर्ट

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने चेतावनी दी है कि सीमाओं पर मौजूद महत्वपूर्ण ठिकानों पर दुश्मन ड्रोन हमला कर सकता है। 'द हिंदू' की खबर के मुताबिक जहाज और जलमार्ग मंत्रालय के समुद्री सुरक्षा विंग ने जमीन और समुद्री सीमाओं के पास मौजूद महत्वपूर्ण संपत्तियों और ठिकानों पर ड्रोन अटैक को लेकर अलर्ट जारी किया है। मंत्रालय के लेटर में लिखा है-' हमें जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे, खासकर सीमा के पास बने अपने ठिकानों को खतरनाक ड्रोनों से बचाने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने होंगे। दुनिया के मौजूदा हालात को देखकर यह साफ है कि दुश्मन के ड्रोन हमारे जरूरी ठिकानों के कामकाज को ठप कर सकते हैं।' इस चेतावनी के बाद सुरक्षा एजेंसियां देशभर के खास ठिकानों को सुरक्षित रखने के लिए एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने में जुट गई हैं। गृह मंत्रालय ने भी सीमा सुरक्षा बल के तहत एक खास कमेटी बनाई है। इस कमेटी का काम भारत के लिए सबसे अच्छे एंटी-ड्रोन सिस्टम को जांचना और पास करना है। सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ पाकिस्तान सीमा से सटे पंजाब के इलाकों में इन सिस्टमों को लगाने की तैयारी कर रही है, और इसके लिए बाकायदा ट्रायल भी शुरू हो चुके हैं। इसके साथ ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने भी एक टीम बनाई है। इस टीम में रक्षा अनुसंधान संगठन, इंटेलिजेंस ब्यूरो, एयरपोर्ट अथॉरिटी और बीएसएफ के अधिकारी शामिल हैं, जो देश के महत्वपूर्ण ठिकानों का दौरा कर रहे हैं। इस टीम की रिपोर्ट और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद ही तय होगा कि किस ठिकाने पर कौन सा एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाया जाएगा। तमिलनाडु के थूथुकुडी में वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट मौजूद है। पोर्ट की सिक्योरिटी के लिए फरवरी 2026 में यहां एडवांस एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाया गया। ऐसा सिस्टम अपनाने वाला यह देश का पहला पोर्ट है। इसके लिए बंदरगाह ने सरकारी कंपनी 'सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड' के साथ एक समझौता किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत रेडियो फ्रीक्वेंसी और रडार पर आधारित एक ऐसा सिस्टम लगाया जा रहा है, जो न सिर्फ दुश्मन के ड्रोन को पहचान लेगा, बल्कि उसे जाम भी कर देगा। यह सिस्टम बंदरगाह के माहौल के हिसाब से तैयार किया गया है जो चारों तरफ यानी 360° नजर रखेगा। यह कदम देश की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार के 'अमृत काल विजन 2047' और 'मैरीटाइम इंडिया विजन 2030' के लक्ष्यों के तहत उठाया गया है। 6-10 मई 2025 के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इंडियन एयरफोर्स के रडार और एयर डिफेंस सिस्टम्स ने पाकिस्तान के ड्रोन्स और फाइटर जेट्स को हवा में ही निशाना बनाया था। सुदर्शन मिसाइल सिस्टम के जरिए लगभग 300 किलोमीटर दूर उड़ रहे एक हाई-वैल्यू एयरक्राफ्ट को भी मार गिराया गया था। इसके अलावा, राफेल और सुखोई-30 ने पाकिस्तानी सेफ सेंटर (हैंगर) को निशाना बनाया, जिसमें चीन में बने विंग लूंग ड्रोन तबाह हुए थे।

कैलिफोर्निया में बी-52 बॉम्बर दुर्घटनाग्रस्त, 8 लोगों की मौत- अधिकारी बोले- कंट्रोल सिस्टम या इंजन में खराबी की आशंका

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस पर सोमवार सुबह गया है और आने वाले विमानों को दूसरे एयरबेस की ओर भेजा जा रहा है। विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ

बी-52 बॉम्बर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक, विमान में सवार सभी 8 लोगों के मारे गए हैं। अमेरिकी वायुसेना के मुताबिक, विमान नियमित परीक्षण उड़ान पर था। सुबह करीब 11.20 बजे टेकऑफ के तुरंत बाद विमान नीचे गिरा और उसमें आग लग गई। मृतकों में वायुसेना के जवान और विमान परीक्षण से जुड़े विशेषज्ञ शामिल थे। फिलहाल दुर्घटना की वजह साफ नहीं है। अनुमान है कि विमान का कंट्रोल सिस्टम, इंजन या टेस्टिंग किए जा रहे किसी उपकरण में खराबी आई होगी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि क्या विमान में हथियार मौजूद थे। हादसे के बाद एयरफील्ड को बंद कर दिया जेफ गुजेटी ने कहा कि विमान जिस तरह उड़ान भरने के तुरंत बाद गिरा, उससे शुरुआती तौर पर फ्लाई कंट्रोल सिस्टम में खराबी की आशंका लगती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। गुजेटी के मुताबिक, यह मेंटेनेंस के बाद नियंत्रण प्रणाली में गड़बड़ी, इंजन की गंभीर खराबी या किसी परीक्षण उपकरण के फेल होने का मामला भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि परीक्षण उड़ाने सामान्य उड़ानों की तुलना में अधिक जोखिम भरी होती हैं। एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस लॉस एंजिलिस से करीब 161 किलोमीटर उत्तर में स्थित है।

ट्रम्प ने जन्मदिन पर अब तक का सबसे महंगा शो, रु567 यूएफसी फाइट कराई,जीत के बाद विजेता राष्ट्रपति से मिला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप यानी यूएफसी मुकाबलों के साथ अपना 80वां जन्मदिन मनाया। यूएफसी ने इस आयोजन पर करीब 6 करोड़ डॉलर (567 करोड़ रुपए) खर्च किए। ये अब तक का सबसे महंगा यूएफसी आयोजन माना जा रहा है। इस फाइट कार्ड में कुल 7 मुकाबले हुए। मेन फाइट लाइटवेट चैंपियन रहे इलिया टोपुरिया और जस्टिन गेथजे के बीच हुई। 4 राउंड तक चले मुकाबले में अमेरिकी फाइटर गेथजे ने अपने स्पेनिश विरोधी टोपुरिया को हराकर उलटफेर किया। गेथजे को लाइटवेट टाइटल बेल्ट मिली, जबकि टोपुरिया को अपने करियर की पहली हार मिली। मुकाबले देखने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनके कई सीनियर अफसर,वॉशिंगटन डीसी।खास मेहमान और हजारों सैन्यकर्मी मौजूद थे। पहले मुकाबले में बो निकल ने पहले ही राउंड में काइल डाउकस को नॉकआउट कर दिया। उन्होंने एक जोरदार लेफ्ट हुक और राइट पंच से प्रतिद्वंद्वी को गिराया, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

दुनिया के 16 नेताओं से छोटे हैं ट्रम्प- 91फीसदी नेताओं से ज्यादा उम्रदराज, उनसे 10 साल ज्यादा सऊदी किंग की उम्र

वॉशिंगटन डीसी। डोनाल्ड ट्रम्प इस हफ्ते 16 जून को 80 साल के हो गए। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए 80 साल की उम्र देखने वाले वे अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति हैं। उनसे पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नवंबर 2022 में अपना 80वां जन्मदिन मनाया था। ट्रम्प दुनिया के सबसे उम्रदराज नेताओं में जरूर शामिल हो गए हैं, लेकिन वे दुनिया के सबसे बुजुर्ग शासक नहीं हैं। प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के 186 देशों के नेताओं में 16 नेता ऐसे हैं जो ट्रम्प से भी ज्यादा उम्र के हैं। रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प दुनिया के लगभग 91 इ राष्ट्रीय नेताओं से बड़े हैं। वहीं दुनिया के राष्ट्रीय नेताओं की औसत उम्र 63 साल है। दुनिया के सबसे उम्रदराज मौजूदा राष्ट्रीय नेता कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया

हैं। उनकी उम्र 93 साल है और वे 1982 से सत्ता में बने हुए हैं। उनके बाद सऊदी अरब के राजा सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद आते है, जिनकी उम्र 90 साल है और वे 2015 से देश के शासक हैं। अफ्रीकी देशों के नेताओं की सबसे ज्यादा उम्र- रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि दुनिया के सबसे ज्यादा उम्र वाले नेताओं में बड़ी संख्या अफ्रीकी देशों की है। इनमें युगांडा, इक्वेटोरियल गिनी, मलावी, आइवरी कोस्ट, जिम्बाब्वे और रिपब्लिक ऑफ कांगो के नेता शामिल हैं। युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी की उम्र अब 82 साल है और वे करीब 40 साल से सत्ता में बने हुए हैं। वहीं इक्वेटोरियल गिनी के राष्ट्रपति तेओदोरो ओबियांग न्गुएमा म्बासोगो भी दुनिया के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले नेताओं में गिने जाते हैं। वे 1979 से देश पर शासन कर रहे हैं। दुनिया के दस सबसे उम्रदराज नेताओं में से 7 ऐसे देशों का नेतृत्व कर रहे हैं जिन्हें फ्रीडम हाउस ने नॉट फ्री यानी स्वतंत्र नहीं की श्रेणी में रखा है।

राजस्थान के चूरू में रेत का बवंडर,4 फ्लाइट डाइवर्ट-मानसून यूपी-छत्तीसगढ़ के बॉर्डर पर पहुंचा

नयी दिल्ली। देश के 9 राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव है। राजस्थान के चूरू, झुंझुनू और सीकर में

सोमवार दोपहर रेत का बवंडर उठा। चुरू में कुछ देर के लिए दिन में अंधेरे छा गया। कोटपूतली-बहरोड़ में बवंडर के बाद तेज बारिश हुई। यूपी के बदायूं में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। आंधी में एक बड़ा पेड़ चलते ऑटो पर गिर गया। आटो में युवती की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर घायल हो गया। दिल्ली के कई इलाकों में भी आंधी के साथ बारिश हुई। इस दौरान 92किमी की रफ्तार से हवा चली। खराब मौसम के कारण दिल्ली से 4 फ्लाइट्स को जयपुर डाइवर्ट करना पड़ा। मानसून बिहार, झारखंड और ओडिशा में आगे बढ़ चुका है। हालांकि, दक्षिण भारत से आगे बढ़ने के बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास रुका है। नॉर्थ-ईस्ट में यह उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बॉर्डर पर पहुंच चुका है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 12 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। 15 जून की सैटेलाइट तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिखाई दिए। मौसम विभाग के मुताबिक, 4 जून से 15 जून के बीच देश में सामान्य 53.7 मिमी के मुकाबले सिर्फ 19.2 मिमी बारिश हुई। यानी बारिश में 64फीसदी की कमी दर्ज की गई है। मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल की हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इस बार पश्चिमी जेट स्ट्रीम सामान्य से ज्यादा दक्षिण की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून को आगे बढ़ाने वाली हवाएं प्रभावित हो रही हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में पर्याप्त नमी के बावजूद बादल नहीं बन पा रहे हैं। इससे मानसून के आगे बढ़ने पर फिलहाल ब्रेक लग सकती है। हालांकि, अगले कुछ दिनों में इसके आगे बढ़ने की संभावना है। 7 राज्यों में गर्मी का असर, पारा 40डिग्री पार-राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई शहरों में सोमवार को तापमान 40डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा 43.4डिग्री उत्तर प्रदेश के बांदा में दर्ज किया गया।

पीएम मोदी को स्लोवाकिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, दोनों देशों के बीच 11 समझौते हुए

नई दिल्ली/पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्लोवाकिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)' से नवाजा गया है। राजधानी ब्रातिस्लावा में उन्हें सम्मानित किया गया। पीएम मोदी यहां दो दिन के दौरे पर आए थे। सम्मान मिलने पर पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा - वह इसके लिए स्लोवाकिया की सरकार और वहां के लोगों के आभारी हैं। यह सम्मान भारत के 140 करोड़ लोगों का है और इसे भारत-स्लोवाकिया की मजबूत एवं स्थायी दोस्ती को समर्पित करते हैं। इससे पहले मोदी और स्लोवाकियन पीएम रॉबर्ट फिको के बीच बातचीत के बाद द्विपक्षीय डिफेंस और ट्रेड डील हुई। ब्रातिस्लावा के महल में स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको से मुलाकात के बाद मोदी ने फिको को भारत आने का न्योता भी दिया। भारत और स्लोवाकिया ने द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक साझेदारी' (कॉम्प्रिहेंसिव पार्टनरशिप) के स्तर तक अपग्रेड करने का फैसला किया। दोनों देशों के बीच प्रवासन, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, शिक्षा तथा अन्य

क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-मैक्रों की द्विपक्षीय बैठक, 13 बड़े समझौते हुएः- रविवार को फ्रांस के नीस शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ रविवार को द्विपक्षीय बैठक की। इसमें प्रधानमंत्री के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी शामिल रहे। इस दौरान दोनों देशों के बीच 13 बड़े समझौते हुए। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बैठक में रक्षा, व्यापार, टेक्नोलॉजी, स्पेस और शिक्षा पर बात हुई। दोनों देशों ने अगले 5 वर्षों में आपसी व्यापार को दोगुना करने के लिए एक हाई-लेवल सिस्टम और इकोनॉमिक सिक्योरिटी डायलॉग की शुरुआत की है। इससे पहले दोनों नेताओं ने 'भारत इनोवेट्स 2026' प्रोग्राम का उद्घाटन किया, जिसमें भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप्स और वेंचर कैपिटल फंड्स ने हिस्सा लिया। प्रोग्राम के बाद राष्ट्रपति मैक्रों प्रधानमंत्री मोदी को नीस के पास स्थित विला केरीलोस घुमाने ले गए। यह फ्रांस की प्रसिद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है। मैक्रों ने यहां पीएम के साथ सेल्फी ली और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। मैक्रों बोले- दुनिया भारत के साथ इनोवेशन करना चाहती है, 5 बड़ी बातें-भारत ग्लोबल इनोवेशन का नेतृत्व कर रहाः मैक्रों ने कहा कि भारत रिसर्च, इनोवेशन और तकनीकी विकास के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। भारत हर साल यूरोप और अमेरिका को मिलाकर जितने इंजीनियर तैयार होते हैं, उतने इंजीनियर तैयार करता है। दुनिया भारत के साथ इनोवेशन करना चाहती हैः मैक्रों ने कहा कि अब सवाल यह नहीं है कि भारत इनोवेशन करता है या नहीं। सवाल यह है कि दुनिया में कौन भारत के साथ मिलकर इनोवेशन करेगा।एआई में खुले और सहयोगी मॉडल का समर्थनः उन्होंने कहा कि कुछ देश एआई मॉडल्स को सीमित करना चाहते हैं। लेकिन भारत और फ्रांस खुले, बहुभाषी और सहयोगी एआई मॉडल के पक्षधर हैं। मोदी के नेतृत्व की तारीफः मैक्रों ने नरेंद्र मोदी को स्वतंत्रता के बाद सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उनकी दृढ़ कार्यशैली, भारत की ताकत और नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। ऊर्जा और जलवायु पर साथ काम कर रहे दोनों देशः नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) जैसी नई परमाणु तकनीकों में भी भारत और फ्रांस साथ काम कर सकते हैं।

ब्रिटेन में 16 साल की उम्र से पहले बच्चे नहीं चला सकेंगे सोशल मीडिया, अधिकांश अभिभावक खुश

लंदन। ब्रिटेन में 16 साल से छोटे बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन लगेगा। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को इसकी घोषणा की। संबंधित नियम इस साल दिसंबर तक बन जाएंगे और

2027 मार्च- अप्रैल तक लागू होने की उम्मीद है। सरकार का तर्क है कि एल्गोरिदम आधारित प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और सामाजिक विकास पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। प्रस्ताव के तहत सोशल मीडिया के उपयोग से पहले उम्र सत्यापन सख्ती से लागू होगा और नियम पालन कराने की जिम्मेदारी कंपनियों पर होगी। बैन एप में स्नैपचैट, टिकटॉक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। वॉट्सएप और सिग्नल जैसी मैसेजिंग सेवाएं फिलहाल प्रतिबंध में शामिल नहीं होंगी। ब्रिटिश सरकार के एक सर्वे में 10 में से 9 अभिभावकों ने इस प्रतिबंध का स्वागत किया है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी फॉर पब्लिक हेल्थ द्वारा 14-24 वर्ष के युवाओं के बीच किए सर्वे के मुताबिक स्नैपचैट, फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम से डिप्रेशन, चिंता, अपने शरीर को लेकर हीन भावना और अकेलेपन में बढ़ोतरी होती है। अमेरिकी सर्जन जर्नल के मुताबिक रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताने वाले किशोरों में मानसिक समस्याओं का खतरा दोगुना होता है। अमेरिका में एक परीक्षण में पाया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद करने से युवाओं में खुशी, जीवन से संतुष्टि बढ़ी, डिप्रेशन-एंग्जाइटी में सुधार हुआ। 25 से ज्यादा देश किशोरों-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में साल भर पहले प्रतिबंध लागू किया गया था। मलेशिया, इंडोनेशिया और ब्राजील में भी इस साल की शुरुआत से प्रतिबंध लागू हो चुके हैं। नॉर्वे, फ्रांस, अमेरिका, चीन जैसे कई देशों में बच्चों के लिए सोशल मीडिया से जुड़े नियम सख्त किए जा रहे हैं।

रूस का बॉम्बर विमान क्रैश, चारों पायलट सुरक्षित, इंजन फेल होने की आशंका

मॉस्को। रूस का टीयू-22एम3 बॉम्बर विमान सोमवार को साइबेरिया के इरकुत्स्क क्षेत्र में ट्रेनिंग उड़ान के दौरान क्रैश हो गया। रूस के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, विमान जमीन की ओर तेजी से गिरा, जिससे घटनास्थल पर धुएं का बड़ा गुबार उठ गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि विमान में सवार चारों क्रू मेंबर समय रहते इजेक्ट (पैराशूट के जरिए बाहर निकल) हो गए और उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में जमीन पर भी किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। इरकुत्स्क क्षेत्र के गवर्नर इगोर कोबजेव ने बताया कि विमान कामेंका गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। शुरुआती जांच में इंजन फेल होना हादसे की वजह माना जा रहा है। टीयू-22, जिसे नाटो ने बैकफायर कोडनेम दिया है, सोवियत काल का एक सुपरसोनिक बॉम्बर विमान है। रूस इसका इस्तेमाल सीरिया और यूक्रेन में सैन्य अभियानों के दौरान कर चुका है। टीयू-22एम3 इसका आधुनिक संस्करण है, जो कैएच-22 क्रूज मिसाइलों और हवा से लॉन्च होने वाली हाइपरसोनिक किंझाल मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है।

परियोजना निदेशक एवं जिला विकास अधिकारी से यूनियन के पदाधिकारियों को शिष्टाचार भेंट की गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 30 प्र0 पेंशनर्स एसोसिएशन के जिला संयोजक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन के संरक्षक, किसान यूनियन (टिकैत गुट) के जिलाध्यक्ष अनूप मिश्रा, सहायक संयोजक राजेश कुमार पांडेय,30 प्र0 कर्मचारी महासंघ के राम करन और शिवकुमार सहित कई कर्मचारी संगठनों के नेता नवांगतुक परियोजना निदेशक एम0 सी0 मिश्रा एवं जिला विकास अधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह से शिष्टाचार भेंट की।

कर्मचारी संगठनों ने जिले की विकास योजनाओं को धरातल पर लाने और उनको पूरा कराने में अपना सम्पूर्ण योगदान देने का आश्वासन भी दिया।

अधिकारी द्वय ने भी कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिलाया। अधिकारियों द्वारा किसी भी समस्या को उनके तुरन्त संज्ञान में लाने को कहा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न,उत्साह और अनुशासन के साथ मनाएं सभी त्योहारः डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को मुहर्रम, श्रावण मास में कांवड़ यात्रा, शिवरात्रि, आस्तिक देव मेला, स्वतंत्रता दिवस, नाग पंचमी, रक्षा बंधन, गंगा स्नान, जन्माष्टमी सहित अन्य आगामी त्योहारों के दृष्टिगत जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न संगठनों से आए धर्मगुरुओं एवं प्रतिनिधियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान निर्धारित स्थलों एवं मार्गों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित अधिकारी आयोजन स्थलों एवं मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर चिन्हित समस्याओं का शीघ्र एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। नगर पालिका एवं नगर पंचायतों को निर्देश दिए गए कि जलभराव, गड्ढों एवं साफ-सफाई से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता से दूर किया जाए। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि विद्युत लाइनों की जांच कर ढीले तारों एवं कम ऊंचाई वाले तारों को ठीक कराया जाए, जिससे कांवड़ यात्रा एवं जुलूस के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। सभी उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को आपसी समन्वय के साथ मार्गों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि सभी थानों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित कर स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाए। उन्होंने सभी धर्मों के लोगों से अपील की कि आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार ही त्योहार मनाएं तथा किसी नई परंपरा की शुरुआत न करें। किसी भी समस्या की स्थिति में प्रशासन से तत्काल संपर्क करें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जुलूस एवं कांवड़ यात्रा में भड़काऊ अथवा अश्लील गीत-संगीत पर भी रोक रहेगी। उन्होंने कहा कि ताजिया की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप ही रखी जाए तथा संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों पर सतत निगरानी रखी जाएगी तथा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सहदेव मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, अधिशासी अधिकारी, पीस कमेटी के सदस्य, धर्मगुरु, मौलवी, व्यापार मंडल के पदाधिकारी, संभ्रांत नागरिक एवं धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मानवता की एक अनोखी पहल- मां धर्मा देवी फाउंडेशन ट्रस्ट ने पेश की सेवा की मिसाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) जौनपुर। सोमवार को जनपद जौनपुर में एक बार फिर इंसानियत और सेवा भावना की मिसाल देखने को मिली। मां धर्मा देवी फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान कर यह संदेश दिया कि एक यूनिट रक्त किसी अनजान व्यक्ति के जीवन की नई उम्मीद बन सकता है। इस रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसैलाब सिर्फ रक्तदान नहीं था। बल्कि यह मानवता, संवेदना और समाज के प्रति जिम्मेदारी का अद्भुत संगम था। संस्था के इस प्रयास ने साबित कर दिया कि जब दिल में सेवा का भाव हो तो हर मुश्किल रास्ता आसान हो जाता है। मां धर्मा देवी फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक सुरेश कुमार शर्मा ने कहा कि आज देश के हर युवा का कर्तव्य होना चाहिए कि वह अपने माता-पिता के नाम को हमेशा ऊंचा रखने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि मां का स्थान संसार में सबसे बड़ा होता है। और मां के आशीर्वाद से ही इंसान समाज के लिए कुछ अच्छा करने की प्रेरणा पाता है। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उनकी मां ने जीवन में बहुत संघर्ष किया। मां आंखों से नेत्रहीन थीं और पैरों से विकलांग होने के बावजूद उन्होंने परिवार को संभाला। उन्हीं की प्रेरणा और आशीर्वाद से समाज सेवा का यह संकल्प आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन में कई बार विश्वास करने वाले लोगों से भी कठिन अनुभव मिलते हैं। लेकिन इंसान को नफरत नहीं बल्कि मानवता और सेवा का रास्ता चुनना चाहिए। किसी जरूरतमंद की मदद करना ही सबसे बड़ा धर्म है। मां धर्मा देवी फाउंडेशन ट्रस्ट लगातार जरूरतमंदों की सहायता और समाज सेवा के कार्यों में अपनी अलग पहचान बना रहा है। रक्तदान का यह अभियान कई लोगों के जीवन में उम्मीद की नई किरण बन रहा है। रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि किसी के जीवन को बचाने का सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। आइए, हम सब मिलकर मानवता के इस अभियान से जुड़ें और किसी के जीवन में नई रोशनी लाने का माध्यम बनें। इस मौके पर उपस्थित रहे। संस्था के महिला जिला ममता सिंह, संस्था के उपाध्यक्ष रेनू शर्मा, संस्था के महामंत्री राजेश गौतम, वाराणसी जिलाध्यक्ष अमर शर्मा उर्फ कप्तान,मोहन कुमार, अरविंद सिंह, गुलाब चंद महराज पत्रकार देवेन्द्र खरे, विशाल सोनकर, विनय कुमार, नरेंद्र गिरि एवं संस्था के तमाम पदाधिकारीगण वे० सहयोगण उपस्थित रहें।

सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली सोइया की विशेष बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। सोमवार को सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली सोइया अमेठी की विशेष मासिक बैठक बुद्ध विहार परिसर में सम्पन्न हुई। पूर्व सूचनानुसार आयोजित इस बैठक में कोरम पूरा रहा जिससे कार्यवाही शुरू की गई। बैठक में रामदेव (गंगौली) को सर्वसम्मति से कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया। इन्हें निर्देशित किया गया कि ये अपने आधार कार्ड की फोटो कापी और दो फोटो अविलंब संस्थान के प्रबंधक सुखदेव उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र को उपलब्ध करा दें जिससे अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

मीटिंग में आय व्यय का लेखा-जोखा भी तैयार किया गया।

बैठक में उपस्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों व सदस्यों में अध्यक्ष श्याम लाल उर्फ भंते धम्म दीप, प्रबंधक सुखदेव उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र, कोषाध्यक्ष रामटहल उर्फ भंते शीलरतन, सचिव रामफल (फौजी) सदस्य गण रामसमुझ (चौधरी) हीरा लाल, बाबूलाल, रामकिशोर, के 0 पी 0 सविता, छोटे लाल आदि लोग मौजूद रहे।

एक ही परिवार के तीन लोगों की हुई हत्या, तीन लोगो को हत्या की सूचना से मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के कुकुरकटवा गांव में रहने वाले श्यामलाल उर्फ कल्लू, उनकी पत्नी मंजू देवी तथा कल्लू की भाभी की धारदार हथियार से वार करके हुई हत्या, हत्या की सूचना होने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई, सूचना मिलते ही मेजा थाने की पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच कर जांच में जुटे,दरअसल हमलावरों ने घर में दौड़ा-दौड़ाकर वारदात की। खून से लथपथ परिवार के सदस्यों की लाशें घर के अंदर से बाहर तक पड़ी थीं। सभी के सिर पर कुल्हाड़ी या लोहे की रॉड जैसी भारी वस्तु से हमला किया गया। वारदात के समय घर में 4 लोग थे। 60 साल की एक महिला घर में और थी, वह सुरक्षित है। महिला मानसिक विक्षिप्त बताई जा रही है। वारदात जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर मेजा थाना के कुकुरकटवा गांव में सोमवार रात हुई। मंगलवार सुबह जब पड़ोसी उठे तो ट्रिपल हत्याकांड का पता चला। पुलिस के मुताबिक, श्यामलाल गुप्ता उर्फ कल्लू (65) और उनके दो भाई की पत्नियों अमरावती (58), इंद्रावती (55) की लाश मिली है। सभी की लाश घर के आहते से लेकर बाहर पड़ी हुई थीं।

बताया जा रहा है कि श्याम लाल की 19 साल की बेटी भी घर में रहती है। वह ननिहाल में पूजा होने के चलते 3 दिन पहले वहां चली गई थी। घर के पड़ोस में रहने वाले युवक से उसका प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

श्यामलाल के भाई नींबू लाल ने बताया- पड़ोस के रहने वाले युवक ने बेटी को लेकर 15 दिन पहले धमकी दी थी। डीसीपी यमुनापार विवेक चंद्र यादव- 'परिजनों ने पड़ोसी लड़के पर प्रेम प्रसंग को लेकर नामजद तहरीर दी है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी।'

अम्बेडकर कल्याण समिति शाखा शाहगढ़ का हुआ गठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। अम्बेडकर कल्याण समिति जनपद अमेठी की शाहगढ़ शाखा का गठन किया गया। हरिनाथ प्रधान (जिला संगठन मंत्री) की देख रेख में यह काम किया गया। रमेश कुमार (ब्लाक अध्यक्ष शाहगढ़) वे० पर्यवेक्षण में गठन किया गया । दूधनाथ अध्यक्ष, रमेश कुमार महा सचिव रामकुमार बौद्ध, गौरव सिद्धार्थ सचिव, राजेश कुमार कोषाध्यक्ष, दयाराम संगठन मंत्री, संयोजक सुरेश कुमार,शिव लाल ,राजेन्द्र बौद्ध सह संयोजक , फूल चन्द एवं आदित्य बौद्ध प्रचार मंत्री तथा रोहित, श्याम लाल एवं राममिलन मीडिया प्रभारी मनोनीत हुए।हरिनाथ प्रधान प्रधान ने मनोनीत पदाधिकारियों को संगठन के कार्य प्रणाली एवं उद्देश्य परिचित कराते हुए कहा कि समिति तथागत बुद्ध एवं बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के मिशन एवं मूवमेंट को घर -घर,जन -जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर राजकरन ब्लाक प्रचार मंत्री, रामकरन ब्लाक संगठन मंत्री, रामकुमार बौद्ध ब्लाक मीडिया प्रभारी, श्याम पती, प्रभावती, निर्मला,दुइजा एवं शबनम भी मौजूद रहीं।

डीएम ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत पात्र बालिकाओं के शत-प्रतिशत आवेदन सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद की समस्त पात्र बालिकाओं को योजना का लाभ उपलब्ध कराने हेतु श्रेणीवार विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारियां निर्धारित कर दी गई हैं। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि योजना की पात्रता शर्तों के अनुसार बालिकाओं का चिन्हांकन करते हुए उनके आवेदन-पत्र शत-प्रतिशत भरवाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे कोई भी पात्र बालिका योजना के लाभ से वंचित न रहे। योजना के छह चरणों के अंतर्गत जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक बालिकाओं को लाभ प्रदान किया जाता है। प्रथम एवं द्वितीय चरण में जन्मी बालिकाओं तथा एक वर्ष का टीकाकरण पूर्ण कर चुकी बालिकाओं का चिन्हांकन कर आवेदन भरवाने की जिम्मेदारी मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को सौंपी गई है। इसके लिए आशा, एएनएम एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कक्षा-1 एवं कक्षा-6 में प्रवेश लेने वाली पात्र बालिकाओं के आवेदन भरवाने का दायित्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया है। वहीं कक्षा-9 में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक को जिम्मेदार बनाया गया है। कक्षा-12 उत्तीर्ण कर स्नातक अथवा कक्षा-10 के बाद दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं के आवेदन भरवाने की जिम्मेदारी क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्यों को दी गई है। जिलाधिकारी ने बताया है कि योजना के प्रत्येक चरण में लाभ प्राप्त करने के लिए परिवार में अधिकतम दो बच्चे होना, उत्तर प्रदेश का निवासी होना तथा परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, बैंक खाता विवरण, संयुक्त फोटो एवं संबंधित शैक्षिक अथवा टीकाकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नोडल नामित करने एवं नियमित प्रगति रिपोर्ट देने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे योजना की प्रगति की निगरानी हेतु एक नोडल अधिकारी/कर्मचारी नामित करें, जो प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट जिला प्रोबेशन अधिकारी, रायबरेली को उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि वर्तमान शैक्षिक सत्र में कक्षा-1, कक्षा-6 एवं कक्षा-9 में प्रवेश के समय ही पात्र बालिकाओं का चिन्हांकन कर उनके आवेदन-पत्र भरवाए जाएं। विद्यालयों के प्रधानाध्यापक बालिकाओं को आवश्यक प्रमाण-पत्र एवं अन्य अभिलेखों की जानकारी उपलब्ध कराएंगे, ताकि आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने खण्ड शिक्षा अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि उनके क्षेत्र का कोई भी विद्यालय ऐसा न रहे जहां पात्र बालिकाओं के आवेदन-पत्र न भरे गए हों। वहीं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को स्नातक एवं पीजी महाविद्यालयों में प्रवेश के समय पात्र छात्राओं के आवेदन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सत्यापन अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि पात्र बालिकाओं के आवेदन अनावश्यक रूप से निरस्त न किए जाएं तथा केवल अपात्र अथवा त्रुटिपूर्ण आवेदन ही अस्वीकृत किए जाएं। जिला प्रोबेशन अधिकारी सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करेंगे कि योजना के अंतर्गत कोई भी पात्र बालिका लाभ से वंचित न रह जाए तथा सभी आवेदन समयबद्ध रूप से स्वीकृत होकर शासन स्तर पर प्रेषित किए जाए।

जनपद में 'योग सप्ताह' का भव्य शुभारंभ गुरु गोविंद सिंह पर्यावरणीय उद्यान में स्वस्थ बृद्धावस्था के लिए योग का लिया गया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज गुरुगोविंद सिंह उद्यान रायबरेली में 'योग सप्ताह' का भव्य और गरिमामयी शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक डॉ अमित राजावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर शहर के सैकड़ों नागरिकों, अधिकारियों और योग साधकों ने एक साथ सामूहिक योग अभ्यास किया। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने अपने संबोधन में कहा कि हमें जीवन के प्रत्येक चरण में योग को अपनाकर निरोग, ऊर्जावान एवं स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देती है। योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक डॉ अमित राजावत ने अपने संबोधन में कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति और शारीरिक आरोग्यता के लिए योग नितांत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं और नागरिकों से अपील की कि वे योग को केवल एक दिन या एक सप्ताह के उत्सव तक सीमित न रखकर नियमित अपने दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' थीम पर सप्ताह भर होंगे कार्यक्रम क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी रायबरेली डॉ. पूनम यादव जी ने इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस योग सप्ताह (15 जून से 21 जून) के अंतर्गत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं और योग शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज के हर वर्ग को दीर्घायु और निरोगी जीवन का मंत्र मिल सके। मास्टर योग ट्रेनर डॉ रवि प्रताप सिंह देव द्वारा लोगों को 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' के अंतर्गत विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान का सामूहिक अभ्यास कराया गया। इस दौरान उपस्थित जनसमुदाय ने शरीर को निरोगी रखने के लिए प्रतिदिन योग अभ्यास करने का दृढ़ संकल्प भी लिया। इस अवसर पर जिला होमियोपैथी चिकित्साधिकारी डॉ सुभाष चंद्र सचान, योगाचार्य डॉ विश्राम, हर्टफुलनेस इंस्टीट्यूट रायबरेली से डॉ आर पी सिंह ,पतंजलि योग समिति से राम शरण भारतीय योग संस्थान से राजेन्द्र त्रिपाठी,आर्य समाज रायबरेली से एम पी पाल, गायत्री परिवार से योगाचार्य परशुराम ,संतमत से त्रिलोकी राम ,लोकभारती से रामशरण सिंह क्रिया योग संस्थान से विजय शर्मा एवं इस भव्य आयोजन में आयुष विभाग के चिकित्साधिकारी, फार्मासिस्ट, स्टाफ और योग प्रेमियों ने सहभागिता की। आयोजन के समापन पर डॉ पूनम यादव ने मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह दिया गया एवं मीडिया बंधुओं और नगर वासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नकली आईपीएस मिथलेश शुक्ला पार्ट-2

40 रूपए के चक्कर मे पकड़ा गया नकली आईपीएस मिथलेश शुक्ला गया जेल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। इन भाई साहब ने कल रात चाये की टपरी पर बंद मक्खन खाया जब दुकानदार ने 40 रूपए माँगा तो 40 रूपए ना देना पड़े इसके लिए अपना रौब झाड़ने के लिए खुद को नोएडा का आईपीएस अफसर बता दिया। जी हाँ ना दरोगा ना इंस्पेक्टर सीधा आईपीएस अफसर। चाये वाले ने पुलिस के सिपाहियों को बुला लिया की खुद को आईपीएस अधिकारी बताने वाले बंद मक्खन खा कर मेरा 40 रूपए नहीं दे रहे हैं। जब पुलिस के सिपाही नकली आईपीएस

के पास पहुंचे तो नकली आईपीएस बोला की सल्यूट करो मुझे। सिपाहियों ने कहा की अगर आप वर्दी मे होते तो ज़रूर सल्यूट करते आपको। बात चलती रही धीरे धीरे सिपाही नकली आईपीएस बने मिथलेश शुक्ला से उसका आईडी कार्ड मांगते रह गए लेकिन वो आना कानी करता रहा। बस फिर पुलिस ने इन्हें रात भर हवालात में रखा,महाशय का सारा रौब झड़ गया। आगे कुछ दिन जेल में रखा जाएगा, फिर एकदम ठीक हो जाएंगे। इनका नाम मिथिलेश शुक्ला है। और अब ये जेल मे हैं।

दुष्कर्म के दोषी ओझा समेत दो को आजीवन कारावास की सजा,प्रत्येक पर एक लाख 500 रूपये अर्थदंड, न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कठोर कैद भुगतनी होगी

जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी,अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी, करीब 9 वर्ष पूर्व महिला को एकांत में ओझाई के लिए ले जाकर जबरन दुष्कर्म किए जाने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब 9 वर्ष पूर्व ओझाई करने के लिए महिला को एकांत में ले जाकर जबरन दुष्कर्म

किए जाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी/सीएडब्लू , सोनभद्र बिपिन कुमार तृतीय की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी ओझा जगदेव शर्मा उर्फ जयदेव शर्मा व सहयोगी लालू शर्मा उर्फ जनार्दन शर्मा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। प्रत्येक के ऊपर एक लाख 500 रूपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कठोर कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक वाराणसी जिला अंतर्गत चौबेपुर थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने 27 अप्रैल 2017 को रॉबर्ट्सगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि वह शादीशुदा है और दो बच्चों की मां है। उसके पति नाई की दुकान चलाते हैं। तीन- चार दिन पहले वह अपने मायके चंदौली जिले में आई है। कुछ दिनों से वह बीमार चल रही है। 26 अप्रैल 2017 को उसका भाई ओझा जगदेव शर्मा उर्फ जयदेव शर्मा पुत्र प्यारेलाल निवासी झपरी, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र के यहां लालू शर्मा उर्फ जनार्दन शर्मा पुत्र अमरनाथ शर्मा निवासी दाऊदपुर, थाना चकिया, जिला चंदौली के साथ ले गए थे। ओझा जगदेव शर्मा उसे देखा तो थार दिलाने के लिए उसे अकेले में रात करीब 11 बजे सुनसान जगह पर लेकर गया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। किसी से बताने पर जान मारने की धमकी भी दिया। इस तहरीर पर रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने जगदेव शर्मा व सहयोगी लालू शर्मा के विरुद्ध कोर्ट में दुष्कर्म, जान मारने की धमकी व आपराधिक षडयंत्र में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 9 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दुष्कर्म के दोषी जगदेव शर्मा व लालू शर्मा को आजीवन कारावास एवं प्रत्येक पर एक लाख 500 रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कठोर कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बहस की।

108 कलश शोभा यात्रा के साथ हनुमंत महायज्ञ हनुमंत कथा एवं महादिव्य दरबार का शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) करमा/सोनभद्र। करमा ब्लाक के सरौली ग्राम पंचायत मे स्थित

डीहबाबा मंदिर प्रांगण मे 108 कलश शोभा यात्रा के साथ हनुमंत महायज्ञ हनुमंत कथा एवं महादिव्य दरबार का शुभारम्भ हुआ। जिसमे 108

कन्याओं ने विधि विधान से कलश की पूजा अर्चना की फिर अतरौली राजा डीहबाबा मंदिर प्रांगण से गाजे बाजे के साथ कलश शोभा यात्रा निकाली गईं । जो अतरौली राजा गाँव का भ्रमण करते हुए सरौली गोस्वामीनगर शंकर भगवान के स्थान से होते हुए काली माता धाम से होते हुए सरौली डीहबाबा मंदिर प्रागण पर आकर कलश शोभा यात्रा का विश्राम होगा।शोभा यात्रा मे बड़ी संख्या मे महिलाए और युवक हाथ मे पताका लिए और सीताराम हनुमान का उद्घोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे। सुरक्षा व्यवस्था मे शामिल वालिंटियर भी साथ चल रहे थे। कलश शोभा यात्रा मे पुष्प का वर्षा किया जा रहा था। जिसमे कथा वाचक के रूप मे पं0 आदर्श कृष्ण शास्त्री जी पठाधिश्वर सीधेश्वर धाम सरकार सतना मध्यप्रदेश है।पारायण व्यास श्री श्यामबली पाठक यज्ञ प्रबंधक एवं मंच संचालक आचार्य पं मनोज कुमार दीक्षित रहे यज्ञाचार्य के रूप मे आचार्य राजन पाण्डेय, आलोक तिवारी, अभिषेक पाठक रहे शिवम शुक्ला,दीपक पाण्डेय इस मौके पर मुख्य यजमान के रूप मे प्रेमनाथ उपाध्याय मिलेट्री रहे इस मौके पर मनीष पाण्डेय दीपेंद्र सिंह प्रफुल्ल आलोक मिश्रा विमलेश गिरी मनीष गिरी राजेश पटेल हीरालाल यादव, अशोक पटेल गोपाल यादव,सहित सैंकड़ो श्रद्धालु सम्मिलित रहे।

एक्टिव एनजीओ की पाँचवीं तरबूज पार्टी में जुटीं शहर की सामाजिक संस्थाएँ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। एक्टिव एनजीओ समूह

द्वारा आयोजित पाँचवीं वार्षिक तरबूज एवं खरबूज पार्टी का भव्य आयोजन क्लब-27, नोएडा में किया गया। कार्यक्रम में नोएडा एवं आसपास की लगभग 35 सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित 55 से 60 समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने तरबूज एवं खरबूज पार्टी का आनंद लेने के साथ-साथ इस बात पर भी विचार-विमर्श किया कि विभिन्न एनजीओ आपसी सहयोग से एक-दूसरे को किस प्रकार सशक्त बना सकते हैं तथा सामाजिक कल्याण के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं। एक्टिव एनजीओ समूह द्वारा वर्षों से विभिन्न संस्थाओं को एक मंच पर लाकर सहयोग एवं समन्वय की भावना को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दौरान समूह द्वारा भविष्य में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नागरिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर संयुक्त रूप से कार्य करने की रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के आरंभ में हाल ही में दिवंगत हुए भारत के गौरव, प्रख्यात निशानेबाज जसपाल राणा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। साथ ही हाल ही में विमान दुर्घटना में शहीद हुए भारत के पाँच वीर जवानों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की शांति एवं उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए दो मिनट का मौन रखा।इस अवसर पर मनोरंजक खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं संवाद सत्रों का आयोजन भी किया गया, जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में एक्टिव एनजीओ समूह के पाँच सबसे सक्रिय सदस्यों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शहर की अनेक गणमान्य हस्तियाँ एवं समाजसेवी उपस्थित रहे, जिनमें राजीवा सिंह, प्रो. राजेश सहाय, सुरोजित दास गुप्ता, कर्नल अमिताभ अमित, अविनाश सिंह, सचिन गुप्ता, विक्की यादव, विमलेश प्रधान, संजीव कुमार, ममता शर्मा, मोहम्मद आजाद, रणपाल अवाना, आलोक सिंह, दुर्गा प्रसाद दुबे, मुरलीधरन, शैल माथुर, डॉ. बानी बोरा, रितु सिन्हा, स्वाती चौहान, रजनी कटारिया, अशोक यादव, वंदना माथुर, प्रदीप शर्मा, मधुबाला शर्मा, नीलम तोमर एवं प्रतिभा सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल रहे। समूह के एडमिन डॉ. अशोक श्रीवास्तव एवं डॉ. रंजन तोमर ने कहा कि एक्टिव एनजीओ समूह भविष्य में भी सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ नागरिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।

किसानों को उनके गैलन जर्किन मे दिया जाय डीजल-संदीप मिश्रा

फार्मर रजिस्ट्री में भारी गड़बड़ी, खाद आपूर्ति और डीजल-पेट्रोल नीति से किसान परेशान; किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने उठाई आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले में किसानों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को लेकर किसान

नौजवान संघर्ष मोर्चा ने सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने कहा कि एक ओर सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर फार्मर रजिस्ट्री, खाद आपूर्ति और डीजल-पेट्रोल वितरण व्यवस्था में सामने आ रही खामियों से किसान भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। फार्मर रजिस्ट्री में बड़ी लापरवाही-मोर्चा ने आरोप लगाया कि फार्मर रजिस्ट्री के दौरान बड़ी संख्या में किसानों की जमीनों का सही विवरण दर्ज नहीं किया जा रहा है। कई किसानों की तीन गाँवचार गाँव में अलग-अलग स्थानों पर स्थित भूमि में फार्मर रजिस्ट्री में मात्र एक गाँव का पोर्टल ले रहा है बाकी के रकबो की जमी की खाद कैसे मिलेगी इसलिए पोर्टल को ठिक कराया जाय। संदीप मिश्रा ने कहा कि यदि समय रहते त्रुटियों का सुधार नहीं किया गया तो हजारों किसानों को प्रशासनिक और कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों से विशेष अभियान चलाकर फार्मर रजिस्ट्री की जांच कराने की मांग की। सोनभद्र में खाद रैक उतरने की मांग-मोर्चा ने किसानों की खाद समस्या को भी प्रमुखता से उठाया है। बताया गया कि किसानों के लिए आने वाली खाद की अधिकांश रैक वाराणसी और मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर उतारी जाती हैं, जिसके बाद उसे सोनभद्र पहुंचाया जाता है। इससे परिवहन लागत बढ़ती है और समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो पाती। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने मांग की है कि खाद की रैक सीधे सोनभद्र रेलवे स्टेशन पर उतारी जाए। इससे परिवहन खर्च कम होगा, समय की बचत होगी और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सकेगी। संगठन का कहना है कि इससे जिले के हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। डीजल-पेट्रोल नीति पर उठे सवाल-मोर्चा ने डीजल-पेट्रोल वितरण को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। संगठन का आरोप है कि बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों को बड़ी मात्रा में गैलन के माध्यम से डीजल-पेट्रोल उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि छोटे और मध्यम किसान आवश्यक मात्रा में ईंधन प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। संदीप मिश्रा ने कहा कि खेती पूरी तरह डीजल आधारित संसाधनों पर निर्भर है। सिंचाई, जुताई और कृषि यंत्रों के संचालन के लिए किसानों को डीजल की आवश्यकता होती है, लेकिन नई व्यवस्थाओं और गाइडलाइन के कारण किसानों को अनावश्यक परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। आज धधरौल डैम पर रेहडी पटरी पर जो हमारे किसान भाई साग सब्जी चाय पान की दुकान चला रहे हैं उनको कैनाल के लोग महिना माग रहे है न देने पर वहाँ से उजाडने की धमकी व नोटिस दे रहे है इस तरह का अत्याचार हमने पहले कभी नहीं देखा-उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में जारी की गई गाइडलाइन का लाभ बड़े उद्योग समूहों को अधिक मिलेगा, जबकि छोटे किसानों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। किसानों को आशंका है कि गैलन में डीजल प्राप्त करने की नई प्रक्रिया से कृषि कार्य प्रभावित होंगे और खेती की लागत में और वृद्धि होगी। आंदोलन की चेतावनी-किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने कहा कि किसानों के हितों से जुड़े इन मुद्दों को लेकर संगठन जल्द ही जिलाधिकारी, कृषि विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग तथा केंद्र सरकार को ज्ञापन सौंपेगा। यदि फार्मर रजिस्ट्री की त्रुटियां दूर नहीं की गईं, सोनभद्र में खाद रैक उतरवाने की व्यवस्था नहीं हुई और किसानों के लिए डीजल-पेट्रोल उपलब्धता आसान नहीं बनाई गई, तो संगठन व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि 'सोनभद्र के किसान पहले ही महंगाई, मौसम की मार और लागत वृद्धि से जूझ रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक लापरवाही और गलत नीतियां किसानों की कमर तोड़ने का काम कर रही हैं। किसान हितों की रक्षा के लिए संघर्ष हर स्तर पर जारी रहेगा।' आज के कार्यक्रम में आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द मनोज अग्रहरि राजेस मौर्य नन्दू जायसवाल सुरेस जायसवाल विजय चौहान सुरज कनौजिया सन्जय बियार सुजीत विश्वकर्मा विजय धागर नागेन्दर तिरकी प्रमोद तिरकी धीरज कनौजिया अवधेश जाटव बासमती चेरो कौशल्या बिन्द हेमा बिन्द दुलारी कुशवाहा राजू मौर्य व सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

आईएमएस नोएडा में होगा योग कार्यशाला का आयोजन,विश्व योगासन चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता होंगे मुख्य अतिथि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 19 एवं 20 जून को विशेष योग कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।यह कार्यशाला संस्थान के फुटबॉल ग्राउंड में प्रातः 6:00 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित होगी। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के स्वर्ण पदक विजेता आकाश शर्मा प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। आईएमएस स्पोर्ट्स क्लब की हेड रीना मैसी ने बताया कि कार्यशाला में विद्यार्थी, शिक्षक एवं संस्थान के कर्मचारी सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम तथा विभिन्न योग क्रियाओं में भाग लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के महत्व, अनुशासन एवं नियमित अभ्यास से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे।

साथ ही वे अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए युवाओं को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के दौरान आकाश शर्मा

सपा नोएडा महानगर ने धूमधाम से मनाया वरिष्ठ समाजवादी नेता वीर सिंह यादव का जन्मदिन

समाजवादी पियाऊ शिविर का शुभारंभ, कार्यकर्ताओं ने 2027 मिशन की तैयारी का लिया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर द्वारा सेक्टर-53 स्थित

कंचनजंगा मार्केट कार्यालय में पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष, पूर्व लोकसभा प्रभारी एवं गौतमबुद्ध नगर के वरिष्ठ समाजवादी नेता वीर सिंह यादव का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के महासचिव विकास यादव के नेतृत्व में मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया तथा दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान वीर सिंह यादव ने समाजवादी पियाऊ शिविर का शुभारंभ भी किया। भीषण गर्मी को देखते हुए शुरू किए गए इस जनसेवा अभियान का उद्देश्य राहगीरों एवं आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। अपने संबोधन में वीर सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार मजदूरों, किसानों, छोटे व्यापारियों एवं छात्रों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और समाजवादी पार्टी ही जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने वाली पार्टी है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे अभी से पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट जाएं, ताकि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बन सके।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी एवं प्रदेश सचिव सुनील चौधरी तथा वरिष्ठ नेता मनोज चौहान ने कार्यकर्ताओं को अपने-अपने बूथों को मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के उपरांत महासचिव विकास यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा राहगीरों को शरबत वितरित किया गया। महासचिव विकास यादव एवं मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने बताया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में समाजवादी पियाऊ शिविरों का विस्तार किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को राहत पहुंचाई जा सके। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे:-सुनील चौधरी, विकास यादव, भीष्म यादव, मनोज चौहान, देवेंद्र गुज्जर, देवेंद्र अवाना, नरेंद्र शर्मा, राणा मुखर्जी, उदय सिंह, इंदरजीत सिंह, रामवीर यादव, रविंद्र यादव, ओमपाल राणा, विपिन चौहान, प्रेमपाल चौहान, गौरव कुमार यादव, शाहिद उस्मानी, रियासत अंसारी, नकुल चौहान, सोनू त्यागी, बबली शर्मा, गीता बौद्ध, शालिनी खड़ी, रेणुका माइटी, उदयवीर प्रधान, नरेश प्रधान, प्यारेलाल यादव, अमित यादव, अमित अंबावता, ओमवीर नेताजी, धनपाल यादव, कृपा शंकर यादव, राकेश यादव, कृष्णा गर्ग, मोहित यादव, टीटू यादव, सूरज राणा, जितेंद्र गुप्ता, चंदन गुप्ता, अशोक गुप्ता, रामराज कुशवाहा, राम अवतार, हरपाल सिंह, महेश जाटव, नीर अवाना, अमित सिंह, भानु शर्मा एवं ब्रह्मपाल सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुस्तक समीक्षा

आज़ादी के अनसुने सपनों को सलाम करती एक रोमांचक कहानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी केवल बड़े नेताओं और क्रांतिकारियों की नहीं है। यह उन लाखों सामान्य भारतीयों की भी कहानी है जिन्होंने अपने-अपने तरीके से अंग्रेजी शासन को चुनौती देने का साहस दिखाया। 'द रॉयल कोहिनूर हीस्ट' इसी भावना को एक रोमांचक कथा के माध्यम से

प्रस्तुत करती है। उपन्यास का नायक केहर सिंह पंजाब का एक युवा सिख खिलाड़ी है, जो कोहिनूर हीरे को केवल एक रत्न नहीं बल्कि खोई हुई अस्मिता का प्रतीक मानता है। वह यह मान बैठता है कि यदि कोहिनूर को वापस लाया जा सके तो इतिहास के एक घाव को भरा जा सकता है। इस मिशन की तलाश उसे मध्य एशिया, सोवियत संघ, जर्मनी और अंततः लंदन तक ले जाती है। वहां वह एक ऐसे साहसिक अभियान की योजना बनाता है जो ब्रिटिश साम्राज्य की नींव को चुनौती दे सकता है। लेखक गौरव एस. करिर ने जासूसी कथा के माध्यम से देशभक्ति, आत्मसम्मान और बलिदान जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से उभारा हैं। कहानी काल्पनिक है, लेकिन इसकी भावनात्मक जड़ें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और औपनिवेशिक इतिहास में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह उपन्यास उन पाठकों के लिए विशेष रूप से आकर्षक है जो इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम और प्रेरणादायक पात्रों पर आधारित साहित्य पढ़ना पसंद करते हैं। गौरव एस. करिर एक प्रतिष्ठित लाइव स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर और भारत के दो प्रमुख रेडियो नेटवर्क्स में पूर्व प्रोग्रामिंग डायरेक्टर रह चुके हैं। उनकी कहानी कहने की यात्रा 1990 के दशक के उत्तरार्ध में एक अपराध एवं न्यायालय पत्रकार के रूप में शुरू हुई, जहाँ उन्होंने उस दौर के कई चर्चित और ऐतिहासिक मामलों की रिपोर्टिंग की। अपने पहले ऑडियो सीरीज़ 'एमबीबीएस 1स्ट ईयर' की

सफलता के बाद, अब वे ऐतिहासिक कथा साहित्य की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

उनकी पहली पुस्तक 'The Royal Kohinoor Heist' इतिहास, रहस्य और रोमांच का एक अनूठा संगम है।

गौरव करिर की लेखनी गहन शोध, प्रभावशाली कथानक और ऐतिहासिक तथ्यों की पड़ताल का उत्कृष्ट उदाहरण है।

उनका उद्देश्य केवल पाठकों का मनोरंजन करना नहीं, बल्कि कोहिनूर हीरे की विरासत, उसके इतिहास और समकालीन विमर्श में उसकी प्रासंगिकता पर नई चर्चाओं को भी प्रेरित करना है।

एम डब्ल्यू ओ संगठन के द्वारा सात जरूरतमंदों को ब्लड देकर बचाई गई जान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कौशांबी/ प्रयागराज। जीवन दायनी सामाजिक संगठन महापदमनंद वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन (एमडब्ल्यूओ) निरंतर अपने कार्यों के चलते जिले सहित प्रदेश में ऊंचाइयों पर पहुंचने का कार्य कर रहा है, ऐसे में अभी इस सप्ताह कई जरूरतमंदों को ब्लड देकर मरीजों की जान बचाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया, जिसमें 1- सुल्तानपुर जिला अस्पताल में भर्ती मरीज किशोर गौतम निवासी कूरेभार को ब्लड की जरूरत पड़ने पर राम बहादुर शर्मा की सूचना पर गोमती ब्लड बैंक से दो यूनिट प्लेटलेट दिलाया गया। 2- केजीएमयू लखनऊ में भर्ती मरीज अर्पित सिंह पुत्र नरसिंह उम्र 7 वर्ष निवासी चकबनतोड़ प्रतापगढ़ जो ब्लड कैंसर की समस्या से संघर्ष कर रहा है प्रतापगढ़ शिवमणि शर्मा की सूचना पर उन्हें केजीएमयू से एक यूनिट ब्लड दिलाया गया। 3- अमेठी के फैज नर्सिंग होम में भर्ती मरीज वीना शर्मा पत्नी रवि शर्मा निवासी टेरी मुंशीगंज को डिलीवरी के दौरान संजय गांधी ब्लड बैंक से एक यूनिट ब्लड दिलाया गया। 4- जिला अस्पताल सुल्तानपुर में भर्ती मरीज माधुरी पत्नी रक्तदानी मनोज कनौजिया निवासी भाई सुल्तानपुर को डिलीवरी के दौरान रक्तबीर प्रेम शर्मा की सूचना पर गोमती ब्लड बैंक से एक यूनिट ब्लड दिलाया गया। 5- संजय गांधी हॉस्पिटल अमेठी में भर्ती मरीज श्रेया तिवारी उम्र 19 वर्ष पुत्री स्वर्गीय सरवन तिवारी निवासी पुरे सूर्य तिवारी भादर को ब्लड की आवश्यकता पड़ने पर संगठन के ऑडिटर विनोद शर्मा व प्रधान टीकरमाफी रक्तबीर पवन मौर्य की सूचना पर एक यूनिट ब्लड संजय गांधी हॉस्पिटल से दिलाया गया। 6- जौनपुर के सालरेशन हॉस्पिटल में भर्ती मरीज रामजी निषाद निवासी जौनपुर को ऑपरेशन के दौरान बीडीसी संदीप निषाद की सूचना पर भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा के आवाहन पर गोमती ब्लड बैंक सुल्तानपुर से एक यूनिट ब्लड दिलाया गया। 7- अमेठी के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती मरीज अवधेश तिवारी निवासी हथकिला अमेठी को ऑपरेशन के दौरान बार एसोसिएशन के सचिव एडवोकेट अनिल कुमार तिवारी की सूचना पर संजय गांधी से दो यूनिट बी पॉजिटिव ब्लड दिलाया गया, घनश्याम शर्मा अध्यक्ष एम डब्ल्यू ओ ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सभी मरीज जल्द ही पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर अपने घर परिवार में पहुंचे।

पुरूषोत्तम माह के अवसर पर डलमऊ मठ द्वारा नौ दिवसीय रामकथा व सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा तथा विष्णु महायज्ञ का किया गया भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सनातन संस्कृति व संस्कार पिरोने के लिए बड़ा मठ डलमऊ के स्वामी देवेन्द्रागिरि महराज द्वारा मुंशी गंज के कैलाश आश्रम में पन्द्रह दिवसीय राम कथा व भागवत का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विष्णु महायज्ञ का आयोजन हुआ।समापन अवसर पर स्वामी देवेन्द्रागिरि महराज ने कहा कि भारत वर्ष सनातन धर्म व संस्कृति का आदर्श रहा है,अब लोगों को इसी मार्ग से कल्याण होगा,राम के आदर्शों पर चलकर जीवन में खुशियां लायी जा सकती हैं,श्री कृष्ण की नीति रीति अपना कर हम आनन्द प्राप्त कर सकते हैं। विष्णु महायज्ञ की पूर्ण आहुति के उपरांत विशाल भंडारा आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने में डलमऊ मठ के स्वामी दिव्यानंद सरस्वती,स्वामी रामचैतन्य, अजय शास्त्री, कांग्रेस नेत्री सुधा अवस्थी, प्रशान्त जायसवाल, स्वामी धर्मानन्द, पूर्व प्रधानाचार्य शिव नारायण सोनी शिव पाल, डलमऊ नगर पालिका अध्यक्ष बजेश दत्त गौड़,अजय पाण्डेय, सन्तोष कुमार, विकास सिंह , सुख देव पाण्डेय, नवल किशोर बाजपेई, डाक्टर आर बी श्रीवास्तव,का योगदान सराहनीय रहा। उल्लेखनीय है कि राम कथा कहने के लिए अयोध्या से प्रदुम्न शास्त्री, भागवत कथा कहने के लिए वृन्दावन से शिवम् जी महाराज जी ने सुमधुर श्लोक व हिंदी ब्याख्या के साथ भगवान के चरित्र का वर्णन प्रस्तुत किया।

जंगल, जमीन और जल बचाने को आदिवासियों ने भरी हुंकार, सपा-कांग्रेस जिलाध्यक्षों को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा के नेतृत्व में आदिवासी-बनवासी समुदाय का एक बड़ा जत्था सोमवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के जिलाध्यक्षों से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों दलों को ज्ञापन सौंपते हुए जंगल, जमीन और जल की रक्षा के लिए राजनीतिक समर्थन और हस्तक्षेप की मांग की। इस दौरान आदिवासी नेताओं ने स्पष्ट कहा कि विकास के नाम पर उनके पूर्वजों की विरासत और प्राकृतिक संसाधनों को उजड़ने नहीं दिया जाएगा। मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने कहा कि सोनभद्र के वन क्षेत्रों में लगातार बढ़ते औद्योगिक और परियोजना आधारित दबाव से आदिवासी समाज की आजीविका, संस्कृति और अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि लाखों लोगों के जीवन का आधार हैं। यदि जंगल खत्म हुए तो जलस्रोत, पर्यावरण और स्थानीय समुदायों का भविष्य भी खतरे में पड़ जाएगा। 'पेड़ हैं तो प्राण हैं' अभियान के सह-संयोजक गुलाब चेरो ने भावुक अंदाज में कहा, 'एक भी पेड़ कटने नहीं दिया जाएगा, चाहे इसके लिए हमारी जान ही क्यों न चली जाए। पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। जंगल बचेंगे तो आने वाली पीढ़ियां बचेंगी।' मोर्चा के नगवां ब्लॉक संयोजक विन्दू खरवार ने कहा, 'जंगल हमारा घर है। हमारे पूर्वजों ने इसे संभालकर रखा है। हम किसी भी कीमत पर अपने घर और अपनी पहचान को उजड़ने नहीं देंगे। जंगल से ही हमारा जीवन, रोजगार, संस्कृति और परंपराएं जुड़ी हुई हैं।' वहीं 'पेड़ हैं तो प्राण हैं' अभियान के जिला संयोजक रामसूरत खरवार ने विकास के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा, 'आज तक जिले में जितने बड़े उद्योग और कल-कारखाने लगे हैं, उनमें कितने मूलनिवासी और आदिवासी युवाओं को स्थायी रोजगार मिला? जो लोग विकास की बात कर रहे हैं, उन्हें इसका जवाब देना चाहिए। विकास के नाम पर आदिवासियों को उनकी जमीन और जंगल से बेदखल करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपने पूर्वजों द्वारा बसाए गए जंगलों, पहाड़ों और जलस्रोतों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा। यदि जरूरत पड़ी तो गांव-गांव जनजागरण अभियान चलाया जाएगा और जिला मुख्यालय से लेकर लखनऊ तथा दिल्ली तक आंदोलन की आवाज बुलंद की जाएगी। ज्ञापन के माध्यम से आदिवासी प्रतिनिधियों ने राजनीतिक दलों से मांग की कि वन क्षेत्रों में प्रस्तावित परियोजनाओं, पेड़ों की कटाई और विस्थापन से जुड़े मामलों पर जनभावनाओं का सम्मान किया जाए तथा जंगल, जमीन और जल की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में आदिवासी, ग्रामीण, किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम में 'जंगल बचाओ, जीवन बचाओ' और 'पेड़ हैं तो प्राण हैं' जैसे नारों के साथ पर्यावरण संरक्षण और आदिवासी अधिकारों की जोरदार आवाज उठाई गई। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रुप से रामसूरत खरवार विन्दू अगरिया रामहाल खरवार गुलाब चेरो दिनेश पनिका ठहलराम माझि आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द. सुरज कनौजिया सजय बियार सुजित विश्वकर्मा नागेन्दर धागर व सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न,विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की संतृप्ति एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता पर कराए जाएं

भ्रामक सूचना देने पर अधिशासी अभियंता पिपरी के वेतन भुगतान पर रोक,विद्यालयों में विद्युतीकरण, स्वच्छता एवं गुणवत्तापूर्ण मिड-डे मील सुनिश्चित करने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं विद्यालयों में उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत जिन विद्यालयों में अभी तक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें शीघ्र संतृप्त किया जाए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि जिन विद्यालयों में पेयजल, शौचालय, रैंप, यूरिनल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं अनुपलब्ध हैं अथवा खराब स्थिति में हैं, उनकी मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में विद्युतीकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिशासी अभियंता पिपरी द्वारा प्रस्तुत जानकारी का सत्यापन दूरभाष के माध्यम से कराया। सत्यापन में जानकारी असत्य पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता पिपरी के वेतन भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने तथा अधीक्षण अभियंता विद्युत को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भ्रामक एवं तथ्यहीन जानकारी देने पर और कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्यालयों में नियमित साफ-सफाई, फर्स्ट एड बॉक्स की उपलब्धता, शत-प्रतिशत विद्युतीकरण तथा गुणवत्तापूर्ण मिड-डे मील व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यालय खुलने के बाद जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी, जिला पंचायत राज अधिकारी नामित शरण, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आपदा जागरूकता के लिए जनपद में चलाया जा रहा विशेष अभियान,नदी, जलाशयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जा रहे सुरक्षा संदेश

डूबने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम,ग्राम पंचायत सचिवालयों में प्रदर्शित किए जा रहे 'क्या करें, क्या न करें' संबंधी स्लोगन,जिलाधिकारी ने नागरिकों से दिशा-निर्देशों का पालन कर सुरक्षित रहने की अपील की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को मानसून एवं आपदा की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सोनभद्र एवं जिला पंचायत विभाग द्वारा जनपद में विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत ग्राम पंचायत सचिवालयों, सार्वजनिक स्थलों, नदी तटों, जलाशयों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में डूबने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सुरक्षा संबंधी संदेश, सावधानियां एवं 'क्या करें, क्या न करें' संबंधी महत्वपूर्ण स्लोगन साइन बोर्ड एवं दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान नदी, तालाब एवं जलाशयों के जलस्तर में वृद्धि होने से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों को जागरूक एवं सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से जनपद के विभिन्न स्थानों पर चेतावनी एवं जागरूकता संदेश प्रदर्शित कर आमजन को सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि नदी एवं जलाशयों के समीप अनावश्यक रूप से न जाएं, बच्चों पर विशेष निगरानी रखें तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए संदेशों एवं सुझावों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उनका अनुपालन करें,ताकि किसी भी प्रकार की आपदा अथवा दुर्घटना से बचा जा सके और जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर योग सप्ताह का शुभारंभ,सीडीओ जागृति अवस्थी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया योग सप्ताह का उद्घाटन

15 से 21 जून तक जनपदभर में होंगे योग, स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम,वृद्धजनों के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में लगेंगे विशेष चिकित्सा एवं योग शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में जनपद सोनभद्र में योग सप्ताह का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम के साथ किया गया। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. विश्वकर्मा तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके उपरांत उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों ने सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा है, जिसने आज वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित की है।

योग न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि संतुलित एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा भी देता है। कार्यक्रम में बताया गया कि 15 जून से 21 जून 2026 तक पूरे जनपद में योग सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान चित्रकला प्रतियोगिता, योग जागरूकता अभियान तथा सामूहिक योग सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योग फॉर हेल्दी एजिंग (Yoga for Healthy Ageing)' निर्धारित की गई है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. विश्वकर्मा ने बताया कि जनपद के सभी आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में वृद्धजनों के लिए विशेष चिकित्सा एवं योग शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं जोड़ों से संबंधित समस्याओं के प्रति जागरूकता एवं उपचार संबंधी परामर्श प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में आयुष विभाग एवं कलेक्ट्रेट के अधिकारी-कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

जैल मेनीक्योर से कैंसर का खतरा,नेल्स हो सकते हैं डैमेज, 8 सावधानियां जरूरी, जानें नाखूनों को कैसे रखें हेल्दी

नयी दिल्ली। किसी शादी, पार्टी या खास मौके पर खूबसूरत और चमकदार नाखून हर लड़की की चाहत होती है। यही वजह है कि पिछले कुछ साल में जैल मेनीक्योर काफी पॉपुलर हुआ है। जैल मेनीक्योर एक ब्यूटी ट्रीटमेंट है। इसमें नाखूनों पर खास जैल पॉलिश की कई लेयर्स लगाई जाती हैं। ये परफेक्ट फिनिश के साथ टिकाऊ भी होता है। इसकी चमक के पीछे कुछ ऐसे हेल्थ रिस्क भी हो सकते हैं। जैल मेनीक्योर प्रोसिजर के दौरान इस्तेमाल होने वाली यूवी (यूवी) लाइट और कुछ केमिकल्स नाखूनों और स्किन को डैमेज कर सकते हैं। साल 2023, में 'यूनिवार्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया' के रिसर्चर्स की एक स्टडी जर्नल 'नेचर कम्युनिकेशन' में पब्लिश हुई। इसमें पाया गया कि 'यूवी नेल लैम्प' के संपर्क में आने से ह्यूमन सेल्स को नुकसान पहुंच सकता है। इससे कैंसर का रिस्क भी बढ़ सकता है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे जैल मेनीक्योर की। साथ ही जानेंगे कि- यह नाखूनों को कैसे नुकसान पहुंचाता है? किन लोगों को जैल मेनीक्योर कराने से बचना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संदीप अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- जैल मेनीक्योर क्या होता है? जवाब- जैल मेनीक्योर में नेल्स पर खास जैल पॉलिश की कई लेयर लगाई जाती हैं। हर लेयर को यूवी (अल्ट्रावायलेट) या एलईडी (लाइट एमिटिंग डायोड) लाइट की मदद से सख्त किया जाता है। इस प्रोसेस से पॉलिश जल्दी सूख जाती है और हाई-ग्लॉस फिनिश मिलती है। खास बात यह है कि यह आमतौर पर 2-3 हफ्ते तक खराब नहीं होता है। सवाल- जैल पॉलिश और स्टैंडर्ड नेल पॉलिश में क्या फर्क है? जवाब- देखने में दोनों लगभग एक जैसे लगते हैं। लेकिन स्टैंडर्ड नेल पॉलिश को सूखने के लिए 20-30 मिनट या उससे ज्यादा समय लग सकता है। वहीं, जैल पॉलिश को यूवी या एलईडी लैंप के नीचे 60-90 सेकेंड में क्योर किया जाता है। सवाल- जैल पॉलिश पर हुई रिसर्च में कौन-से रिस्क सामने आए हैं? जवाब- साल 2024, में 'यूरोपियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी' में एक सिस्टमैटिक रिव्यू पब्लिश हुआ। इसमें रिसर्चर्स ने जैल मेनीक्योर में इस्तेमाल होने वाले यूवी नेल लैम्प पर हुई कई स्टडीज को एनालाइज किया। इसका मकसद यह समझना था कि यूवी नेल लैम्प का स्किन पर क्या असर पड़ता है और क्या इससे स्किन कैंसर का रिस्क बढ़ता है। स्टडी में क्या सामने आया? यूवी नेल लैम्प से निकलने वाली किरणें मुख्य रूप से यूएवी होती हैं।ये किरणें स्किन में डीएनए डैमेज, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और फ्री रेडिकल्स पैदा कर सकती हैं। ये सभी फैक्टर्स स्किन कैंसर का रिस्क बढ़ाते हैं। इसलिए इसके ओवर-एक्सपोजर से बचना चाहिए। सवाल- जैल नेल पॉलिश रिस्की क्यों है? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- 1. नेल्स डीहाइड्रेशन- जैल पॉलिश हटाने के लिए लंबे समय तक एसीटोन (खास केमिकल) में नाखूनों को भिगोए जाते हैं। इससे नाखूनों की नेचुरल सॉफ्टनेस खत्म हो जाती है। इससे नेल्स अंदर से सूखे, बेजान और कमजोर हो जाते हैं। 2. नेल प्लेट को मैकेनिकल डैमेज-कई सैलून में जैल पॉलिश हटाने के लिए इलेक्ट्रिक फाइल या ड्रिल का इस्तेमाल किया जाता है। अगर प्रोसेस को ज्यादा तेज या गलत तरीके से किया जाए तो नाखूनों की ऊपरी लेयर घिस जाती है। 3. फंगल इन्फेक्शन-जैल पॉलिश मोटी लेयर बनाकर नाखून को पूरी तरह ढक लेती है। अगर पॉलिश के नीचे नमी फंस जाए या नाखून पहले से थोड़ा डैमेज हो, तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। 4. नेल्स रिकवरी पर असर-जैल मेनीक्योर लंबे समय तक टिकता है, लेकिन जैसे ही नेल्स बढ़ते हैं, लोग जल्दी-जल्दी टच-अप कराने लगते हैं। इससे नाखूनों को लगातार केमिकल्स और प्रोसेसिंग झेलनी पड़ती है। यह उसकी नेचुरल रिकवरी को रोक देती है। सवाल- जैल मेनीक्योर से नाखूनों को क्या नुकसान हो सकता है? जवाब- जैल पॉलिश में मौजूद केमिकल्स नाखूनों को पतला और कमजोर बना सकते हैं। इसके बार-बार इस्तेमाल से नाखूनों की ऊपरी लेयर को नुकसान होता है और आसपास की स्किन में जलन हो सकती है।सवाल- जैल मेनीक्योर के बाद कौन-से संकेत खतरे की घंटी हो सकते हैं? जवाब- कुछ संकेत रिस्की हो सकते हैं, इन्हें इग्नोर न करें। जैसे- लगातार खुजली, तेज जलन, लगातार दर्द, ज्यादा सूजन, नाखून का रंग बदलना, सवाल- किन लोगों को जैल मेनीक्योर से बचना चाहिए? जवाब- कुछ लोगों को खास सावधानी बरतनी चाहिए। जैसे- जिनके नाखून पहले से कमजोर हों। जिन्हें बार-बार फंगल इन्फेक्शन हो। जिनकी स्किन सेंसिटिव हो। जिनकी नेल प्रोडक्ट्स से एलर्जी की हिस्ट्री हो। जिनके हाथों पर पहले से कोई स्किन डिजीज हो। सवाल- जैल मेनीक्योर से होने वाले रिस्क से कैसे बचें? जवाब- ऐसे में कुछ सावधानियां जरूरी हैं। 'अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी' (एएडी) के अनुसार-जैल मेनीक्योर को खास मौकों तक सीमित रखना चाहिए, ताकि यूवी एक्सपोजर कम हो और नाखूनों को रिकवरी का समय मिले। यूवी लैम्प एक्सपोजर से पहले हाथों पर सनस्क्रीन लगाने से स्किन डैमेज का रिस्क कम हो जाता है। फिंगरलेस ग्लव्स यूवी किरणों से हाथों को कवर करते हैं। पॉलिश को कभी भी खुद से नहीं हटाना चाहिए। इससे नाखून की ऊपरी लेयर उखड़ सकती है। अगर जलन, खुजली या रंग बदलने जैसी समस्या हो तो तुरंत स्किन स्पेशेलिस्ट से सलाह लें। सवाल- नाखूनों को नेचुरली हेल्दी कैसे बनाएं? जवाब- नाखूनों की सेहत हमारी रोजमर्रा की आदतों से जुड़ी होती है। हाथ धोने या काम करने के बाद मॉइश्चराइजर लगाने से नाखूनों और क्यूटिकल्स में ड्राईनेस नहीं आती। सवाल- नाखूनों को लंबे और चमकदार बनाने के लिए क्या खाएं? जवाब- नाखूनों की मजबूती और चमक का सीधा संबंध शरीर को मिलने वाले पोषण से होता है। अगर डाइट में जरूरी विटामिन और मिनरल्स की कमी हो तो नाखून जल्दी टूटने लगते हैं और बेजान दिखते हैं। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और सही देखभाल से नाखूनों को बिना किसी महंगे ट्रीटमेंट के भी हेल्दी, लंबे और चमकदार रखा जा सकता है। क्या खाएं, क्या न खाएं- अब समझते हैं कौन से पोषक तत्व किसमें पाए जाते हैं- प्रोटीन- अंडा, दूध, दही, पनीर, दालें, राजमा, चना, सोया, टोफू। बायोटिन (विटामिन बी7)- अंडे की जर्दी, मूंगफली, बादाम, केला। आयरन- पालक, मेथी जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां, चुकंदर, अनार, गुड़। जिंक- कद्दू और सूरजमुखी के बीज, मूंगफली, साबुत अनाज, काजू। विटामिन सी- संतरा, नींबू, आंवला, अमरूद। ओमेगा-3 फैटी एसिड- मछली, अलसी सीड्स, अखरोट, चिया सीड्स। सवाल- जैल मेनीक्योर के अन्य विकल्प क्या हैं? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- जैल मेनीक्योर का सबसे अच्छा ऑप्शन ट्रेडिशनल मेनीक्योर है। इसमें सामान्य नेल पॉलिश का इस्तेमाल किया जाता है। अगर यह पॉलिश नॉन-टॉक्सिक हो तो और भी बेहतर है। भले ही यह मेनीक्योर ज्यादा दिनों तक न टिके, लेकिन नाखून लंबे समय में ज्यादा स्वस्थ रहेंगे। ऐसी नेल पॉलिश चुनें, जिन पर 'नॉन-टॉक्सिक' लिखा हो।अगर नाखूनों की सही देखभाल की जाए तो वे बिना किसी ट्रीटमेंट के भी मजबूत और हेल्दी रह सकते हैं। हेल्दी न्यूट्रिशन लें, केमिकल प्रोडक्ट्स से बचें और बेसिक हाइजीन बनाए रखें। यही सबसे जरूरी है।

कुल मिलाकर, खूबसूरत नाखून अच्छी बात है, लेकिन उनकी सेहत उससे भी ज्यादा जरूरी है। अगर आप सही जानकारी और सावधानियों के साथ फैसला लेंगी, तो स्टाइल और सेहत दोनों का संतुलन बनाए रख सकती हैं।

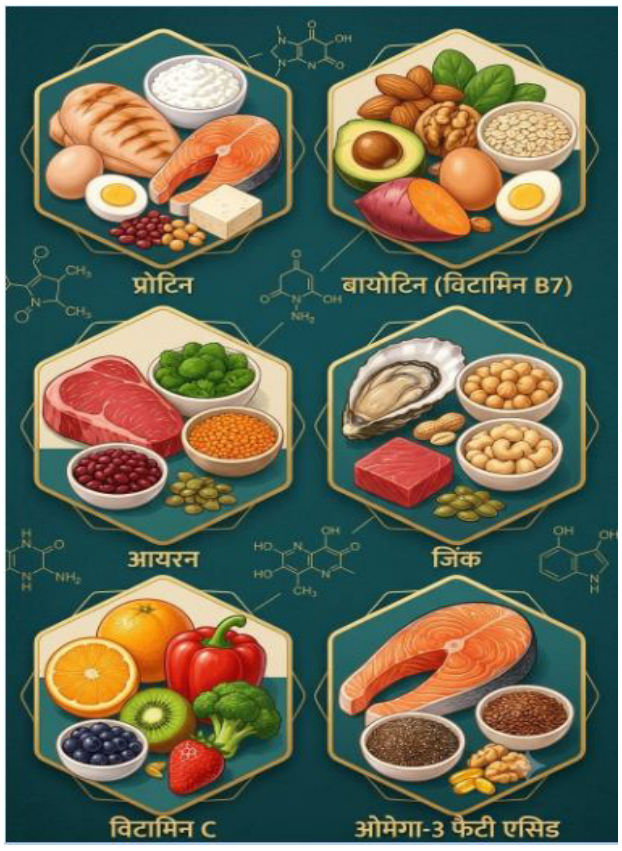

खेल जगत के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची जारी,स्मृति ने महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई दी

न्यूयॉर्क। 'टाइम' मैगजीन ने पहली बार खेल जगत की 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की सूची जारी की है। इसके कवर पेज पर चार बार के एनबीए चैम्पियन लेब्रन जेम्स को जगह मिली है। भारतीय महिला क्रिकेट की ओपनर स्मृति मंधाना के अलावा मेसी, रोनाल्डो और हालेंड जैसे फुटबॉलर्स भी शामिल हैं। जानिए चुनिंदा लीडर्स को, जो खेल के जरिए बिजनेस, कल्चर व समाज को प्रभावित करने के साथ खेल की सीमाओं से परे जाकर दुनिया को नई दिशा दे रहे हैं। स्मृति मंधाना- 17 अंतरराष्ट्रीय शतक, रिकॉर्ड बनाती जा रहीं-बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। घरेलू वनडे में दोहरा शतक लगाया। तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। 17 अंतरराष्ट्रीय शतक के साथ एक साल में 1,000 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाली पहली महिला हैं। आरसीबी को 2024 व 2026 डब्ल्यूपीएल खिताब दिलाया। महिला वर्ल्ड कप 2025 इनकी उप कप्तानी में जीता। लेब्रन जेम्स - बिजनेस-राज?नीति के साथ समाज के लिए भी जुटे हैं 41 साल की उम्र में भी एनबीए के शीर्ष स्तर पर खेल रहे हैं और रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। 22 ऑल-स्टार चयन, एनबीए के सर्वाधिक स्कोरर समेत कई खिताब जीते। ड्रॉप आउट बच्चों को 'आई प्रॉमिस स्कूल' से पढ़ाई से जोड़ रहे। सामाजिक अभियानों व निवेश से लोगों की मदद की। परिवार के साथ वक्त बिताना चाहते हैं। पर कहते हैं,'बास्केटबॉल ही असली जुनून है।' लियोनेल मेसी - गोलों की झड़ी से फुटबॉल में नई जान डाल दी-2023 में इंटर मियामी से जुड़कर अमेरिकी फुटबॉल में नई जान डाल दी। संदेह था कि वह कॅरियर खत्म करने आए हैं, पर उन्होंने गोलों की झड़ी लगाकर एमएलएस की लोकप्रियता बढ़ा दी। 2022 में कतर वर्ल्ड कप जीतकर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। अमेरिका में उनका शायद आखिरी वर्ल्ड कप है, जहां लगातार दूसरी जीत अर्जेंटीना को पेले जैसी उपलब्धि दिला सकती है। कार्लोस अल्कारेज - जोकोविच-सिनर जैसे दिग्गजों को हरा चुके-23 वर्षीय स्पेनिश टेनिस स्टार, नडाल की ताकत और फेडरर की निपुणता का संगम हैं। 2022 यूएस ओपन जीतकर सबसे युवा वर्ल्ड नंबर 1 बने। 2025 फ्रेंच ओपन में यानिक सिनर को हराना और ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच पर जीत से कॅरियर ग्रैंड स्लैम पाने वाले सबसे युवा बने। 7 ग्रैंड स्लैम विजेता अपनी गति व मूवमेंट से विरोधियों को थकाते हैं।

अर्लिंग हालेंड - 3 गोल्डन बूट जीते, कार्टून किरदार को देंगे आवाज-6 फुट 4 इंच के नॉर्वेजियन फुटबॉल स्टार ने 2025-26 सीजन में प्रीमियर लीग में सर्वाधिक 27 गोल दागे और तीसरा 'गोल्डन बूट' जीता। बीते साल वह इतिहास में सबसे तेज 100 प्रीमियर लीग गोल करने वाले खिलाड़ी बने थे। मई में उनकी टीम, मैनचेस्टर सिटी ने एफए कप जीता। अब वर्ल्ड कप में दिखेंगे। एक कार्टून फिल्म में अपनी आवाज भी देंगे।

ईरानी खिलाड़ी ने फुटबॉल वर्ल्डकप में गन सेलीब्रेशन किया,मैच के तुरंत बाद अमेरिका से लौटाई गई टीम,बोले-आराम भी नहीं करने दिया

कैलिफोर्निया। अमेरिका में फुटबॉल वर्ल्ड कप के दौरान ईरानी प्लेयर के गन सेलीब्रेशन पर विवाद हो गया। इस घटना के बाद ईरानी टीम को मैच के तुरंत बाद अमेरिका से मेक्सिको जाने को कहा गया। मेक्सिको ईरान की टीम का बेस कैंप है। अमेरिका में हर मैच के बाद ईरान को बेस कैंप लौटना होता है।लॉस एंजिल्स के मैदान पर मंगलवार सुबह न्यूजीलैंड के खिलाफ ईरान ने मैच खेला। ईरान ने न्यूजीलैंड को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया। ईरान के मिडफील्डर मोहम्मद मोहेबी ने भी एक गोल किया। इसके बाद उन्होंने गन सेलिब्रेशन किया था। जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। कई फैंस ने आलोचना करते हुए उन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। ईरान के कोच आमिर घालेनोई ने फीफा और अमेरिकी अधिकारियों पर आरोप लगाए कि टीम को आराम का वक्त भी नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'हमें तुरंत मेक्सिको लौटने का आदेश दिया गया। इससे खिलाड़ियों की रिकवरी प्रभावित हुई। हमारा प्लान अगले दिन मेक्सिको स्थित बेस कैंप लौटने का था। लेकिन मैच के बाद टीम को आराम करने तक का समय तक नहीं दिया गया।' स्टेडियम के बाहर ईरान के खिलाफ प्रदर्शन-करीब 4 महीने लंबी जंग के बाद अमेरिका-ईरान के बीच समझौता हो गया है, लेकिन मैच के दौरान भी इस तनाव का असर देखा गया। स्टेडियम के बाहर अमेरिकी प्रशंसकों ने झंडे लहराए और ईरानी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कप्तान तारेमी बोले- हमारे लिए सब मुश्किल-मैच के बाद ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने कहा- मेक्सिको से लॉस एंजिल्स पहुंचने में टीम को पांच घंटे लगे। आमतौर पर यह समय काफी कम होता है। सुरक्षा जांच और अन्य प्रक्रियाओं के कारण बेवजह परेशानी झेलनी पड़ी। फीफा से ज्यादा सहयोग की उम्मीद थी। इस समय हमारे लिए सब कुछ मुश्किल हो गया है। ईरानी वीजा और टिकट पर भी विवाद हुआ था-ईरानी फुटबॉल टीम की तैयारियां पहले से कई समस्याओं से घिरी रही है। अमेरिका ने ईरान फुटबॉल महासंघ के कुछ अधिकारियों, सहयोगी स्टाफ और मीडिया प्रतिनिधियों को वीजा नहीं दिए जाने के कारण टीम का सपोर्ट सिस्टम भी प्रभावित हुआ है। वर्ल्डकप से पहले ईरान के फुटबॉल महासंघ (एफएफआईआरआई) ने आरोप लगाया कि विश्व कप के लिए उसके लिए रिजर्व टिकटों का हिस्सा वापस ले लिया गया। इससे उन ईरानी प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है जिन्होंने पहले ही यात्रा की बुकिंग कर ली थी। ईरानी समर्थकों को टिकट कोटे से वंचित करना खेल भावना के खिलाफ है। ईरान को अब ग्रुप स्टेज में बेल्जियम और मिस्र जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ड्रॉ के बाद टीम पर अगले दोनों मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन का दबाव बढ़ गया है।

हार्वर्ड के एक्सपर्ट ने कहा-ज्यादा पैसा खुशी की गारंटी नहीं,अपनों को दूर कर अकेला कर देता है

टाइम. न्यूयॉर्क। ज्यादातर लोगों को लगता है कि बैंक बैलेंस बढ़ते ही आधी से ज्यादा मानसिक परेशानियां खत्म हो जाएंगी। एक हद तक यह सच भी है। पैसा स्थिरता देता है, घर, इलाज व बुढ़ापे की चिंताओं से मुक्ति दिलाता है। पर क्या असीमित दौलत वाकई खुशी की गारंटी है...? दुनिया के सबसे अमीर परिवारों को दी जाने वाली 'कंसीर्ज मेंटल-हेल्थ सर्विसेज' एक्सपर्ट मानते हैं। जरूरत से ज्यादा पैसा रिश्तों व मानसिक सेहत के लिए अदृश्य खतरा बन जाता है। धन व सफलता की अंधी दौड़ रिश्ते कैसे खोखले करती है, जानिए। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट एसोसिएट प्रोफेसर डेविड एच रोजमारिन का कहना है- 'अमेरिका के रईस पेरेंट्स ने बेटे के जुए का कर्ज चुकाने में लाखों डॉलर बहा दिए। पैसे की इस सुलभता ने कड़वे सच को टाल दिया, जिससे बेटे की लत और गहरी हो गई और अंततः वह डिप्रेशन का शिकार हुई। तकलीफ बताने पर पेरेंट्स ने उसे आलीशान जिंदगी व खासे निवेश की याद दिलाई। खुद को 'सुनहरे पिंजरे' में महसूस कर वह चुप रही, जिससे स्थिति आत्मघाती मोड़ तक पहुंच गई। इन मामलों से समझ सकते हैं कि ज्यादा पैसा मानसिक चुनौतियों को जटिल बना देता है। शुरुआत में रईसों की आलीशान जिंदगी चकाचौंध करती है, पर जल्द ही पीछे छिपा अकेलापन, कलह व अवसाद सामने आ जाता है। दरअसल, असीमित पैसा होने पर रिश्तों को मजबूत बनाने वाले बुनियादी अनुभव- जैसे समझौता, तालमेल, जवाबदेही व त्याग गायब हो जाते हैं। आपसी निर्भरता खत्म होने से रिश्ते भावनात्मक जुड़ाव के बजाय 'लेन-देन' पर टिक जाते हैं। नतीजा यह होता है कि अरबों की संपत्ति के बीच भी लोग भीतर से अकेले हो जाते हैं। अमीर परिवारों में पैसा पेन किलर की तरह काम करता है। जीवन में कोई तनाव, दुख या अवसाद आता है, तो रईस लोग उसे महसूस करने व सामना करने के बजाय महंगे दौरों, नई संपत्तियों या थेरेपी के आलीशान इंतजामों से तुरंत 'सुन्न' कर देते हैं। इससे उनकी दुख सहने व उनसे उबरने की स्वाभाविक मानसिक क्षमता खत्म हो जाती है। ज्यादा पैसा व्यक्ति के भीतर गहरा संदेह पैदा करता है कि 'लोग मुझसे प्यार करते हैं या मेरे पैसे से?' यह संदेह मानसिक बीमारी का रूप ले लेता है। इससे कई बार जीवनसाथी, दोस्तों...यहां तक कि बच्चों पर भी भरोसा नहीं कर पाते। उनके रिश्ते हमेशा अनजाने डर व तनाव के साए में रहते हैं। इन लोगों का आत्म-सम्मान अक्सर बैंक बैलेंस व सामाजिक रुतबे पर टिका होता है, न कि इंसानी गुणों पर। यही स्थिति उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बना देती है। बाजार में हल्का उतार-चढ़ाव भी उन्हें डिप्रेशन और पैनिक अटैक की ओर धकेल देता है। मानसिक सुख का रहस्य- आम परिवारों में मुश्किलें लोगों को आपस में निर्भर रहना सिखाती हैं। वे असहज पलों से भागने के बजाय आपस में लड़कर, समझौता करके भरोसा व नजदीकियां बुनते हैं। पर पैसा इन सारे जरूरी संघर्षों को 'स्मूथ' कर देता है। पैसे से किसी को भी नियंत्रित कर सकते हैं, पर ईमानदारी, माफी और प्यार जैसी चीजें खरीदी नहीं जा सकतीं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 80 साल चली स्टडी बताती है कि मजबूत सामाजिक और रिश्ते ही इंसान को खुशहाल और लंबा जीवन देते हैं, न कि पैसा। मेरा मानना है कि पैसा मौके दे सकता है, तनाव घटा सकता है, पर यह ईमानदारी, अपनेपन, जवाबदेही या प्यार का विकल्प नहीं हो सकता। मानसिक सुख के लिए बैंक बैलेंस नहीं, बल्कि सच्चे रिश्ते मायने रखते हैं।

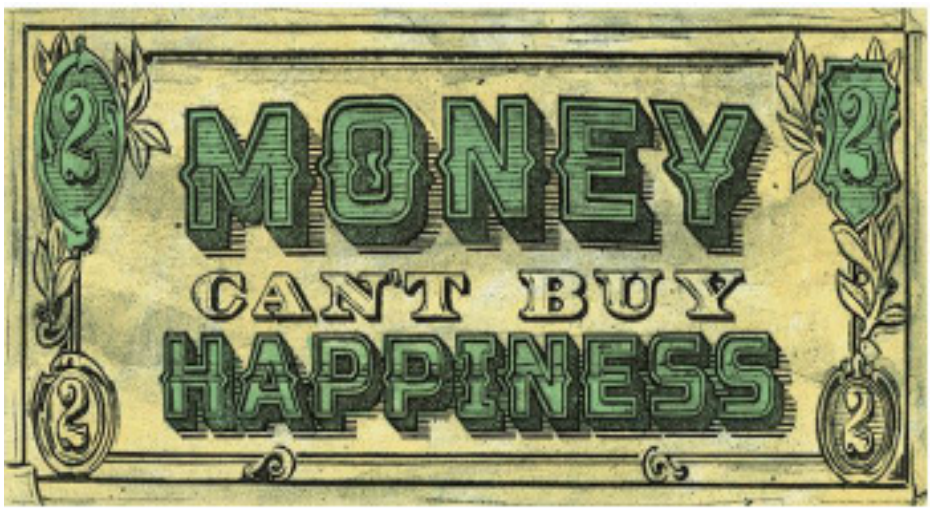

युद्ध के तमाम नुकसानों के बावजूद ईरान मजबूत हुआ है

तमाम आकलनों से अब यह स्पष्ट है कि ईरान के खिलाफ युद्ध अमेरिका-इजराइल गठबंधन के लिए एक रणनीतिक विफलता साबित हुआ है। 28 फरवरी को यह युद्ध होर्मुज को फिर से खोलने के उद्देश्य से नहीं शुरू किया गया था; उस समय वह पहले ही खुला हुआ था। न ही इसका उद्देश्य ईरान की परमाणु क्षमता को कम करना था; क्योंकि युद्ध शुरू किए जाने से कुछ दिन पहले कतर की मध्यस्थता में हुई वार्ताओं में ईरान इसके लिए पहले ही सहमत हो चुका था। यह युद्ध ईरान की इस्लामिक हुकूमत को गिराने के मकसद से छेड़ा गया था और इसी के तहत अयातुल्लाह खामेनेई की हत्या की गई थी। जबकि हकीकत यह है कि खामेनेई ने ही ईरान को अभी तक परमाणु हथियार बनाने से रोक रखा था। अब सर्वोच्च नेता के रूप में मोज्तबा खामेनेई के नेतृत्व वाला शासन- युद्ध में भारी नुकसान के बावजूद- पहले से अधिक संगठित और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। इस युद्ध ने ईरान की होर्मुज में यातायात रोकने की क्षमता और दुनिया की दो प्रमुख सैन्य शक्तियों अमेरिका और इजराइल से मुकाबला करने की उसकी क्षमता को उजागर किया। गहरे भूमिगत ठिकानों से दागी गई मिसाइलों और ड्रोन के संयोजन के जरिए ईरान इजराइल पर हमले करने, खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को गंभीर क्षति पहुंचाने और अमेरिका के खाड़ी सहयोगियों को भी नुकसान पहुंचाने में सक्षम रहा। अब इसे आप चाहे जिस नजरिए से देखें, संभावना यही है कि हमें आर्थिक, राजनीतिक और क्षेत्रीय दृष्टि से एक अधिक मजबूत ईरान देखने को मिलेगा। इस युद्ध ने खाड़ी क्षेत्र में पारंपरिक अमेरिकी सुरक्षा ढांचे की सीमाओं को उजागर कर दिया है। दशकों तक पूरे क्षेत्र में फैले अमेरिकी बेस स्थिरता और प्रतिरोध की गारंटी के रूप में काम करते रहे थे, लेकिन आज उनकी प्रभावशीलता पहले जैसी नहीं दिखती। पहले ही कई खाड़ी सहयोग परिषद देश ईरान के प्रति अपने सुरक्षा संबंधों और रुख का पुनर्मूल्यांकन करने लगे हैं।

भारत के दो-तिहाई आकार वाले ईरान के पास तेल और गैस जैसे पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही शिक्षित मध्यम वर्ग के रूप में मानव संसाधन भी मौजूद है। अब तक ईरान का प्रभाव अमेरिका के साथ उसके टकराव के कारण सीमित रहा आंतरिक उथल-पुथल और बाहरी प्रतिबंधों के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन ने भी ईरान को एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने से रोक दिया। लेकिन अब बदलाव का अवसर मौजूद है। हालांकि बड़ी बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। सबसे बड़ी बाधा तो इजराइल ही है, जो बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता वाले और हिजबुल्ला-हूती के साथ गठबंधन रखने वाले ईरान को स्वीकार नहीं कर सकता। इजराइल ने यह दावा करते हुए अमेरिका को युद्ध शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया था कि इस्लामिक हुकूमत तेजी से ढह जाएगी, लेकिन इसके बजाय उसने ऐसी घटनाओं की शृंखला शुरू कर दी है, जिसने वास्तव में ईरान की रणनीतिक स्थिति को और मजबूत किया है।

दो चरणों वाली वार्ताओं को देखते हुए इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि परमाणु मुद्दे पर ईरान वास्तव में अमेरिकी शर्तों पर हस्ताक्षर करेगा। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने सभी समृद्ध यूरेनियम भंडार को देश से बाहर भेज दे और अपने सेंट्रीफ्यूज को नष्ट कर दे। ईरान अपने तीन में से दो यूरेनियम संवर्धन स्थलों को बंद करने के लिए तैयार है, लेकिन सभी को बंद करने के लिए नहीं। ईरान का कहना है कि परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत उसने परमाणु हथियार नहीं बनाने की प्रतिबद्धता जताई है, लेकिन अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए यूरेनियम संवर्धन का उसे अधिकार है। ट्रम्प का लक्ष्य परमाणु समझौते के हिस्से को उस समझौते से अधिक सख्त बनाना है, जिस पर 2015 में ओबामा प्रशासन के दौरान बातचीत हुई थी और जिसे उन्होंने 2018 में रद्द कर दिया था। लेकिन स्थिति कठिन है। चूंकि इस मुद्दे पर शांति समझौते के दूसरे चरण में ही चर्चा होगी, इसलिए बड़ा सवाल यह है कि अगर चीजें अमेरिका की इच्छा के अनुसार नहीं चलती हैं तो क्या अमेरिका में फिर से ईरान को सैन्य रूप से धमकाने की क्षमता होगी? (ये लेखक के अपने विचार हैं,मनोज जोशी)

दुनिया अपने रेगुलर स्नैक्स में अधिक सेहतमंद विकल्प तलाश रही है

दुनिया में टेक कंपनियां लगातार हमें स्लीप स्कोर, हार्ट रेट बता रही हैं और हमारी बायोलॉजी को उस डैशबोर्ड जैसा बना रही हैं, जिसे देखकर हम रोजाना चिंता करें। ऐसे में फूड कंपनियां बिना शरीर की बात किए कैसे चुप रहतीं? हमारी बायोलॉजी को आंकड़ों में बदलकर इन टेक कंपनियों ने न सिर्फ सेल्फ-ऑप्टिमाइजेशन को एक आसान और तेजी से बढ़ता बिजनेस बना दिया है, बल्कि वियरेबल डिवाइसेज के बूम को भी हकीकत बना दिया है। किनारे बैठे फूड बिजनेस ने न सिर्फ यह देखा कि टेक्नोलॉजी से आया यह बदलाव पैसा बना रहा है, बल्कि उसने शादीशुदा बेटियों और उनकी मांओं के बीच की बातचीत में आए बदलाव को भी देखा। याद कीजिए, कुछ ही समय पहले जब किसी खास वक्त पर वॉट्सएप कॉल आती तो मांएं जवाब देने के लिए दौड़ पड़ती थीं। क्योंकि वह कॉल उनकी बेटी की होती थी, जो विदेश में या उस शहर में रहती थी, जहां वह शादी के बाद बस चुकी है। बातचीत छोटी होती थी। बेटी पूछती कि किसी खास डिश को कैसे बनाएं और मांएं एआई असिस्टेंट की तरह इसे बता देती थीं। धीरे-धीरे रेसिपी जानने की ये कॉल कम हो गईं। ऐसा इसलिए नहीं कि बेटियां पारंगत हो गईं, बल्कि उनके मुताबिक मां की रेसिपी अब नए जमाने के अनुसार हेल्थ कॉन्शस नहीं रही। वजन घटाने वाली दवाओं के बढ़ते इस्तेमाल के साथ दुनिया विभिन्न कारणों से धीरे-धीरे अपनी डाइट की जांच सीख रही है। सप्लीमेंट्स से लेकर लगभग हर चीज में, आलू के चिप्स तक में प्रोटीन जोड़ना उपभोक्ताओं को लुभाने का तरीका बन गया है। हाल ही में आई मैकिन्से की एक रिपोर्ट में पाया गया कि दुनिया के दो-तिहाई उपभोक्ता अपने नियमित स्नैक्स के ज्यादा हेल्दी विकल्पों के लिए 10इअधिक कीमत चुकाने को तैयार हैं। क्या यकीन करेंगे कि आप एक कुकीज के ही विविध प्रकार खरीद सकते हैं, जो नींद से लेकर उन विभिन्न कार्यों में आपका फोकस बढ़ा सकते हैं, जिनको लेकर आपको लगता है कि उन पर लाइफस्टाइल का असर पड़ता है। आज तक हम सभी 'प्रोटीन कुकी' खाते रहे। हम मानते थे कि उसमें पैकेट पर बताई जानकारी के अनुसार फाइबर है। लेकिन अब वही कुकी हमारी बायोलॉजी में अलग जगह ले चुकी है। अब वह कहती है, 'मुझे खाओ, आप अच्छे-से सो पाओगे।' या कहती है कि 'अगर फोकस बढ़ाना चाहते हैं तो 'फोकस कुकी' पेश है। इसमें न्यूट्रिएंट हैं, जिन्हें लेकर माना जाता है कि वे ब्रेन परफॉर्मेंस बेहतर करते हैं- जैसे क्रिएटिन। 'स्लीप कुकी', जिसमें अमीनो एसिड एल-थियानिन है, माना जाता है कि यह तनाव कम करके नर्वस सिस्टम को शांत करता है। अमेरिका की ऑनलाइन मिलने वाली 'फील्ड्स गुड पैकेज्ड कुकीज' ऐसी कई किस्में बेचती हैं। हालांकि वेलनेस ट्रेंड्स पर काम करने वाले शोधकर्ताओं की इन इन्ग्रेडिएंट्स को लेकर मिली-जुली राय है। मुझे लगता है कि कुकीज का भविष्य उम्र आधारित होने वाला है, जैसे एडल्ट कुकीज और बच्चों की कुकीज।

हालांकि दुनिया भर में फूड बिजनेस बड़ी छलांग लगा चुका है। जब कोई व्यक्ति फूड पैकेजिंग की प्लानिंग कर रहा होता है तो कोई दूसरा सोच रहा होता है कि उसमें प्रोटीन, फाइबर या दूसरे फंक्शनल इन्ग्रेडिएंट्स का कॉम्बिनेशन कैसे जोड़ा जाए, ताकि यह हेल्थ कॉन्शस लोगों को आकर्षित कर सके। क्लासिक फूड में फंक्शनल ट्विस्ट देना अब युवा आंत्रप्रेन्योर का नया नियम बन गया है।

वे समझ चुके हैं कि दुनिया में 'परमिसिव इंडल्जेंस' की भूख कभी खत्म नहीं होने वाली। इसका मतलब है ऐसे ट्रीट्स बनाना, जो भूख शांत करें और उनका 'हेल्दियर प्रोफाइल' भी हो, ताकि लोग बिना अपराधबोध के उसका आनंद ले सकें। यह ट्रेंड प्रतिबंधों के बजाय संतुलन पर फोकस करता है। अकसर इसमें 80-20 नियम अपनाया जाता है, जहां 80इ पोषक सामग्री होती है और 20फीसदी विलासिता से संबंधित। सोचिए कि पारंपरिक लड्डुओं को 'व्हे लड्डू' या 'प्रोटीन पेड़ा' में बदला जा रहा है, जो पुरानी यादों और पोषण को एक साथ ला रहे हैं। फंडा यह है कि नई जानकारी देने वाली तकनीक और हमारी बायोलॉजी के अलग-अलग हिस्सों को सपोर्ट करने का वादा करने वाला फूड हमेशा ट्रेंड में रहेगा। भविष्य में विज्ञान और हेल्थ के ठप्पे के बिना किसी भी फूड बिजनेस को प्रतिस्पर्धा में संघर्ष करना पड़ सकता है। एन. रघुरामन

2011 और 2026 के भारतीय युवाओं में क्या अंतर आया है?

कॉकरोच जनता पार्टी या सीजेपी के देखते ही देखते करोड़ों फॉलोअर्स बन गए। लेकिन फॉलोअर्स की विशाल संख्या सोशल मीडिया हैंडलों पर थी। सड़कों पर नहीं। सीजेपी ने जंतर-मंतर पर एक वास्तविक सभा जरूर की और मीडिया ने भी इसे अच्छे से कवर किया। फिर भी वहां कुछ सौ या हजार लोग ही पहुंचे। भारत के मॉल्स में किसी मामूली सेलिब्रिटी के आने पर भी इससे ज्यादा भीड़ जुट जाती है। ऑनलाइन और ऑफलाइन के बीच इतना अंतर क्यों था? क्या जेन-जी आलसी है? या वे उतने असंतुष्ट नहीं हैं और अपेक्षाकृत आरामदायक जीवन जी रहे हैं? लेकिन यह एक सामान्यीकरण होगा। असली वजह इससे कहीं गहरी है। सीजेपी को समझना एक मायने में मौजूदा जेन-जी को समझने का भी एक बेहतरीन तरीका है। तुलना की जा रही है कि सीजेपी वर्ष 2011 के भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन जैसी नहीं है। यह समानता समझ में आती है। दोनों ने जनता की निराशा को आवाज दी। दोनों ने युवाओं को आकर्षित किया। दोनों पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर उभरे। लेकिन सीजेपी ने वैसा मामूली-सा भी जनसमर्थन पैदा नहीं किया, जैसा 2011 में अन्ना हजारे ने किया था। लेकिन इससे पहले हमें एक बड़े सवाल को समझना होगा : जब स्मार्टफोन के दौर में पली-बढ़ी डिजिटल-फर्स्ट पीढ़ी का सामना राजनीति से होता है, तो क्या होता है? क्योंकि 2011 और 2026 के बीच यही सबसे बड़ा अंतर है। 2011 में देश लगभग वही प्रमुख टीवी चैनलें देखता था। लोग एक जैसी सुर्खियों पर चर्चा करते थे। जंतर-मंतर पर हुआ प्रदर्शन राष्ट्रीय खबर बन जाता था, क्योंकि हर कोई एक ही स्क्रीन पर था। आज देश एल्गोरिदम से बने अलग-अलग डिजिटल दायरों में जीता है। कोई सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाला छात्र पूरा दिन यूपीएससी संबंधी वीडियो देख सकता है। कोई दूसरा स्टार्टअप से जुड़े प्रभावशाली लोगों को फॉलो करता है। तीसरा मेकअप ट्यूटोरियल देखता है। चौथा राजनीतिक मीम्स की दुनिया में रहता है। सभी ऑनलाइन हैं। लेकिन जरूरी नहीं कि वे सभी एक ही वास्तविकता का अनुभव कर रहे हों। इससे लोगों को एकजुट व संगठित करना कठिन हो जाता है। 2011 के आंदोलन का एक मुद्दा था : भ्रष्टाचार खत्म करो। देश जानता था कि वह किस बात से नाराज है और क्या चाहता है। सीजेपी का मामला इससे अलग है। इसके समर्थक कई तरह की बातें करते हैं- बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाएं, पेपर लीक, जीवन-यापन की बढ़ती लागत, राजनीतिक अहंकार, अवसरों की कमी, युवाओं की निराशा। ये सभी वास्तविक चिंताएं हैं। समस्या यह है कि चिंताएं बहुत अधिक हैं। एक शिकायत के आधार पर देश को संगठित करना दस शिकायतों के आधार पर करने की तुलना में आसान होता है। फिर दोनों का लहजा भी अलग है। भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन गंभीर था। लगभग आध्यात्मिक। लोग गांधी-टोपी पहनकर रैलियों में जाते थे। उन्होंने उपवास तक किए! वहीं सीजेपी हास्य के माध्यम से उभरी। यह मीम्स, व्यंग्य, विडंबना पर आधारित है। यह पूरी तरह डिजिटल भी है, जिससे यह अविश्वसनीय गति से फैल सकती है। लेकिन इस प्रणाली के साथ एक समस्या है। बहुत से लोग इसमें शामिल हो सकते हैं। वे इसे पसंद करेंगे और साझा करेंगे, लेकिन जरूरी नहीं कि वे आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए आगे आएं। और हर कंटेंट क्रिएटर इस कड़वी सच्चाई को जानता है।अगर लाखों युवा रोजगार और परीक्षाओं जैसे मुद्दों से जुड़ रहे हैं, तो ऐसा तब नहीं होता जब वे पूरी तरह संतुष्ट हों। निराशा वास्तविक है। सवाल यह है कि उसे व्यक्त कैसे किया जा रहा है। पुरानी पीढ़ी अकसर राजनीति को भौतिक कार्रवाई के माध्यम से देखती है- प्रदर्शन, विरोध, धरना, मार्च। लेकिन जेन-जी अलग साधनों के साथ बड़ी हुई है- पोस्ट करना, कमेंट करना, शेयर करना, कंटेंट बनाना। यहीं पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच गलतफहमी पैदा होती है। कोई बुजुर्ग व्यक्ति पूछ सकता है, अगर आप इतने नाराज हैं तो सड़कों पर क्यों नहीं हैं? एक युवा जवाब दे सकता है, अगर लाखों लोगों ने मेरी पोस्ट देख ली है, तो फिर सड़कों पर आने की जरूरत क्या है? 2011 में अगर लोगों को लगता था कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही, तो वे इकट्ठा होते थे। 2026 में अगर लोगों को लगता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही, तो वे पोस्ट करते हैं। सोशल मीडिया एक तरफ आवाज को बढ़ाने वाला माध्यम बन गया है, तो दूसरी तरफ दबाव निकालने का रास्ता भी। इंटरनेट राजनीतिक ऊर्जा के एक बड़े हिस्से को अपने भीतर समाहित कर लेता है, जो कभी सड़क पर उतरकर आंदोलन का रूप ले सकती थी। यह किसी कमजोर या आलसी पीढ़ी की कहानी नहीं है। यह एक ऐसी पीढ़ी की कहानी है, जो राजनीति को अलग तरीके से व्यक्त करती है। जो विरोध के बैनर उठाने से पहले अपने फोन की ओर हाथ बढ़ाती है। पर क्या डिजिटल आक्रोश वास्तविक दुनिया को बदल सकता है? (ये लेखक के अपने विचार हैं,चेतन भगत)

दीपके बोले-जयपुर में आरएसएस के लोगों ने हमला किया,कॉकरोच पार्टी के फॉलोअर्स 2.27 करोड़ से 2.25 करोड़ हुए

नागपुर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जयपुर में उन पर हुए हमले में

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस के लोगों का हाथ था। अभी दीपके नागपुर में है। यहां 4 बजे संविधान चौक पर पार्टी का प्रदर्शन है। उन्होंने कहा- 'जब भी कोई सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ बोलता है, तो ऐसा ही होता है। इसमें कुछ नया नहीं है।' कल यानी 15 जून को कॉकरोच जनता पार्टी ने जयपुर में प्रदर्शन किया था। इस दौरान भीड़ में शामिल युवकों ने दीपके को थप्पड़ मारे थे। वहीं, सीजेपी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 16 जून को पार्टी के इंस्टाग्राम पर 2.25 करोड़ फॉलोअर्स हैं। 6 जून को दिल्ली में सीजेपी के पहले प्रदर्शन से पहले इंस्टाग्राम पर 2.21 करोड़ फॉलोअर्स थे। अगले दिन 7 जून को 24 घंटे के भीतर 2.27 करोड़ फॉलोअर्स हो गए थे। कॉकरोच जनता पार्टी नीट पेपर लीक, सीबीएसई परीक्षा में गड़बड़ी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रही है। इसके लिए देशभर में प्रदर्शन कर रही है। जयपुर की घटना के बाद नागपुर में सीजेपी के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन में 2000 से ज्यादा युवा शामिल हो सकते हैं। जयपुर में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने दीपके को कंधों पर उठा रखा था। इसी बीच कुछ युवक भीड़ को चीरते हुए उनके पास पहुंचे, कॉलर पकड़कर थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और तनाव बढ़ गया। गुस्साए सीजेपी कार्यकर्ताओं ने हमलावरों को घेरकर पीट दिया, किसी तरह पुलिस ने हमलावरों को पकड़ा। पुलिस ने 5 लोगों रोहित शर्मा, राकेश गुर्जर, अजय शर्मा, कुलदीप सिंह शेखावत और निकेत को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपियों का कहना है कि वे दीपके के सोशल मीडिया पर दिए गए बयानों और सीजेपी की कार्यशैली से नाराज थे। इस दौरान दीपके ने नीट पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखवाया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई। दीपके ने अपने ऊपर हुए हमले को लोकतंत्र पर हमला बताया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की शुरुआत चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद हुई। 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करते हैं। इस टिप्पणी के अगले दिन, 16 मई को अमेरिका में रह रहे अभिजीत दीपके ने सीजेपी की शुरुआत की और सोशल मीडिया पर पार्टी के अकाउंट बनाए। 22 मई को उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक ऑनलाइन याचिका शुरू की, जिसे 8 लाख से अधिक लोगों का समर्थन मिलने का दावा किया गया। 10 जून तक सीजेपी ते इंस्टाग्राम पर 2.27 करोड़ फॉलोअर्स थे। अब इसमें दो लाख की गिरावट आई है। फिर भी यह संख्या भाजपा के 94 लाख और कांग्रेस के 1.37 करोड़ फॉलोअर्स से ज्यादा है। एक्स पर सीजेपी के 2.79 लाख फॉलोअर्स हैं।पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। 4 डीसीपी, 3 एसीपी, 45 सब इंस्पेक्टर और असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर, 470 पुरुष और 170 महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। दो दंगा नियंत्रण प्लाटून (आरसीपी) भी स्टैंडबाय पर रखे गए हैं। पुलिस कमिश्नर रविंद्रकुमार सिंगल ने कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूएस-ईरान समझौते से क्रूड ऑयल के दाम गिरे,4.8फीसदी की कमी के साथ 83डॉ. पर आया, दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेजी

नयी दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए समझौता हो गया है। इस खबर के बाद सोमवार को दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेजी देखी जा रही है और क्रूड ऑयल की कीमतों

में गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 4.8फीसदी गिरकर 83.18 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है। कुछ हफ्ते पहले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास थी। युद्ध शुरू होने से पहले इसकी कीमत 70 डॉलर के करीब थी। ग्लोबल मार्केट में समझौते पर सहमति का सीधा असर अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट पर दिखा। सोमवार को डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज करीब 650 अंक की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। इसके साथ ही एस एंड पी 500 इंडेक्स 1.5फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 2.3फीसदी ऊपर चढ़ गया। एयरलाइंस के शेयर 7फीसदी चढ़े- ईंधन की कीमतों में गिरावट की खबर से उन कंपनियों के शेयरों में तुरंत उछाल आया जिनका फ्यूल बिल बहुत ज्यादा होता है। यूनाइटेड एयरलाइंस के शेयर 5.2फीसदी ऊपर चढ़ गए। अमेरिकन एयरलाइंस में 7फीसदी की तेजी आई। इसके अलावा क्रूज ऑपरेटर कंपनी कार्निवल के शेयर भी 5.7फीसदी मजबूत हुए। एआई कंपनी माइक्रोन का शेयर 7.8फीसदी बढ़ा-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भी जबरदस्त लिफ्ट देखने को मिली है। हाल के हफ्तों में एआई कंपनियों के शेयर भारी उतार-चढ़ाव से गुजर रहे थे, क्योंकि बाजार में यह चिंता थी कि एआई क्रेज के कारण ये बहुत तेजी से ऊपर चले गए हैं। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के शेयर 7.8फीसदी और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज (एएमडी) के शेयर 7फीसदी चढ़ गए। वॉल स्ट्रीट की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एनवीडिया के शेयर में 2.7फीसदी की तेजी दर्ज की गई, जिसने एस एंड पी 500 को ऊपर खींचने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।मस्क की स्पेसएक्स की वैल्यू डॉ.2.1 ट्रिलियन पार-इलॉन मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स अपने लिस्टिंग के दूसरे दिन नैस्डैक पर 5.4फीसदी ऊपर ट्रेड कर रही है। स्पेसएक्स के पास एआई कंपनी एक्सएआई का भी मालिकाना हक है। इस सफल शुरुआत से संकेत मिलता है कि निवेशकों के बीच एआई को लेकर अभी भी भारी डिमांड है। बाजार ने स्पेसएक्स को 2.1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की कुल वैल्यू दी है, जो एक्सॉन मोबिल, बैंक ऑफ अमेरिका और कोका-कोला की कंबाइंड वैल्यू से भी ज्यादा है। ट्रम्प कर रहे दरें घटाने की मांग-अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व (फेड) इस हफ्ते अपनी ब्याज दरों पर फैसला सुनाने वाला है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने केविन वॉर्श को इस पद के लिए नॉमिनेट किया था और ट्रम्प लगातार ब्याज दरें कम करने की वकालत कर रहे हैं। मजबूत लेबर मार्केट और हाई इन्फ्लेशन को देखते हुए ट्रेडर्स को उम्मीद थी कि फेड इस साल दरें बढ़ा सकता है, लेकिन यूएस-ईरान डील के बाद सीएमई ग्रुप के डेटा के अनुसार, इस साल ब्याज दरें बढ़ने की संभावना 71फीसदी से घटकर सिर्फ 55फीसदी रह गई है। फेड ब्याज दरों को स्थिर रखने का एलान कर सकता है। भारतीय शेयर बाजार भी तेजी के साथ बंद हुआ-ईरान-अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते की खबरों से भारतीय शेयर बाजार में भी सोमवार को तेजी रही। सेंसेक्स 736 अंक की तेजी के साथ 76,264 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 231 अंक की तेजी रही, ये 23,853 के स्तर पर बंद हुआ। ईरान ने इस समझौते की पुष्टि की है, लेकिन यह भी कहा है कि जब तक इस पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते, तब तक इसे लागू नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान के मुताबिक, शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में इस डील पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे बड़े मुद्दों पर अगले 60 दिनों तक बातचीत जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, इस लंबी अवधि के कारण समझौते में कुछ रुकावटें आने की आशंका भी बनी हुई है। जानकारों का कहना है कि अगर होर्मुज रूट खुल भी जाता है, तो भी एनर्जी इंडस्ट्री को पूरी रफ्तार में लौटने में महीनों का समय लगेगा।

85फीसदी एथेनॉल से चलने वाली वैगन-आर रु7.24 लाख में मिलेगी, पेट्रोल मॉडल से रु86,000 महंगी, यह देश की पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी ने सोमवार को भारत में पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार वैगन-आर बायोफ्लेक्स लॉन्च कर दी है। यह ई85 फ्यूल (85फीसदी एथेनॉल मिक्स पेट्रोल) से चलेगी। कार की शुरुआती कीमत 7.24 लाख रुपए रखी गई है और यह दो वैरिएंट में मिलेगी। ई85 वैगन-आर स्टैंडर्ड मॉडल से रु86 हजार महंगी है। वहीं, कॉमर्शियल सेगमेंट में मिलने वाली टूर एच3 के मुकाबले इसकी कीमत रु1.35 लाख से रु2.25 लाख तक ज्यादा है। वैगन-आर टूर एच3 की कीमत 4.99 लाख से 5.89 लाख रुपए के बीच है। फिलहाल इसे टैक्सी और फ्लीट जैसे कमर्शियल सेक्टर के लोग ही खरीद सकेंगे। नए ईंधन के लिए कई पार्ट्स में बदलाव हुआ-कार का बाहरी डिजाइन रेगुलर वैगन-आर की तरह ही है, लेकिन ई85 फ्यूल पर चलाने के लिए इसके इंजन और पार्ट्स में तकनीकी बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने इसमें अपग्रेडेड फ्यूल इंजेक्टर्स, नया फ्यूल पंप, नई फ्यूल लाइन्स, री-कैलिब्रेटेड ईसीयू और एक स्पेशल एथेनॉल सेंसर लगाया है। 5 पॉइंट्स में जानिए फ्लेक्स-फ्यूल कार के बारे में सबकुछ-1. परफॉर्मेंसः 1.2-लीटर फ्लेक्स-फ्यूल पेट्रोल इंजन-फ्लेक्स फ्यूल वैगन-आर में मौजूदा 1.2-लीटर यानी 1200सीसी के इंजन को ही मॉडिफाई किया गया है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर इसका परफॉर्मेंस डेटा जारी नहीं किया है, लेकिन खबर है कि यह रेगुलर पेट्रोल इंजन से थोड़ी ज्यादा पावर और टॉर्क देता है। कार में फिलहाल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स दिया जाएगा। कंपनी ने अभी नए मॉडल का माइलेज भी नहीं बताया है। हालांकि, हाल में हुए फ्यूल टेस्ट के मुताबिक, ई85 फ्यूल पर चलाने से कार के माइलेज में करीब 24फीसदी तक की गिरावट हो सकती है। स्टैंडर्ड पेट्रोल वैगन-आर मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ 23.56किमी/घंटा का माइलेज देती है। 2. एक्सटीरियरः रेगुलर मॉडल जैसा बॉक्सी लुक, 'फ्लेक्स फ्यूल' की बैजिंग-नई वैगन-आर फ्लेक्स फ्यूल का ओवरऑल डिजाइन स्टैंडर्ड मॉडल जैसा ही है, लेकिन इसे एक अलग पहचान देने के लिए कुछ कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं। रेगुलर मॉडल से इस स्पेशल वैरिएंट को अलग करने के लिए कंपनी ने इसकी बॉडी पर जगह-जगह 'फ़्लेक्स फ्यूल' के ग्राफिक्स दिए हैं। टेलगेट पर एक छोटा 'फ़्लेक्स फ्यूल' का क्रोम बैज भी लगाया है। फ्रंट प्रोफाइलः सामने बड़े

साइज में चौकोर हैलोजन हेडलैंप्स और एक चौड़ा बोनट दिया गया है। हेडलैंप्स के बीच में हॉरिजोंटल ग्रिल है, जिसमें सिंगल क्रोम स्लेट और हनीकॉम्ब डिटेलिंग दी गई है, जो इसे पहले से ज्यादा मॉडर्न लुक देती है। फ्रंट बंपर पर बड़ा एयर डैम है और काले घेरे के बीच फॉग लैंप्स को फिट किया गया है। साइड प्रोफाइलः साइड से कार का पारंपरिक 'बॉक्सी और टॉल-बॉय' शेप नजर आता है। कार में बड़े साइज की खिड़कियां हैं, जिससे केबिन अंदर से काफी खुला-खुला और हवादार महसूस होता है। स्मूद राइडिंग के लिए इसमें 14-इंच के अलॉय व्हील्स हैं। इसके अलावा, कार के सी-पिलर पर ब्लैक इंसर्ट का इस्तेमाल किया गया है जो इसे 'फ्लोटिंग रूफ' जैसा ट्रेंडी इफेक्ट देता है। रियर प्रोफाइलः कार का पिछला हिस्सा काफी फ्लैट और सिंपल है। यहां सिग्नेचर स्टाइल वाले बड़े वर्टिकल (खड़े) टेललैंप्स दिए गए हैं। टेलगेट (डिक्की के दरवाजे) पर नंबर प्लेट लगाने के लिए एक खांचा (कास्टिंग) बना है, जिसके ठीक ऊपर प्रीमियम लुक देने के लिए क्रोम गार्निश की पट्टी दी गई है। साथ ही रियर बंपर में भी एक ब्लैक इंसर्ट मिलता है। 3. इंटीरियरः डुअल-टोन थीम के साथ मॉडर्न केबिन-एक्सटीरियर की तरह नई वैगन-आर फ्लेक्स फ्यूल का अंदरूनी लेआउट भी इसके स्टैंडर्ड मॉडल जैसा रखा गया है। हालांकि, केबिन को ज्यादा प्रैक्टिकल और आरामदायक बनाने के लिए इसमें कई खास फीचर्स दिए गए हैं। डैशबोर्ड और थीमः कार में थोड़ा उठा हुआ डैशबोर्ड है, जो ड्राइवर को अच्छी फ्रंट विजिबिलिटी देता है। केबिन को प्रीमियम लुक देने के लिए इसमें ब्लैक और बेज कलर की डुअल टोन थीम दी गई है। डैशबोर्ड के बीच में टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है। इसके दोनों तरफ वर्टिकल (खड़े शेप वाले) एसी वेंट्स हैं। कंट्रोल्स और चार्जिंगः इंफोटेनमेंट सिस्टम के नीचे मैन्युअल एसी कंट्रोल्स दिए गए हैं। मोबाइल और अन्य गैजेट्स को चार्ज करने के लिए नीचे चार्जिंग पोर्ट और 12-वोल्ट का पावर सॉकेट भी मिलता है। स्टीयरिंग व्हील और कंसोलः 3-स्पोक स्टीयरिंग व्हील पर ऑडियो और मीडिया कंट्रोल बटन (माउंटेड कंट्रोल्स) मिलते हैं। इसके सामने एनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर है, जो एमआईडी (मल्टी इंफॉर्मेशन डिस्प्ले) स्क्रीन के साथ आता है, जहां गाड़ी से जुड़ी जरूरी जानकारियां दिखती हैं। सिटिंग और स्पेसः केबिन में फिक्स्ड हेडरेस्ट के साथ पतली फ्रंट सीटें हैं। टॉल-बॉय डिजाइन की वजह से इसकी पिछली (रियर) सीट इस सेगमेंट की दूसरी कारों के मुकाबले ज्यादा स्पेशियस है। ऊंचे कद वाले पैसेंजर्स के लिए भी इसमें हेडरूम और नीरूम की कमी नहीं है, जिससे लंबा सफर आरामदायक रहता है। 4. फीचर्सः 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम-नई वैगन-आर फ्लेक्स फ्यूल एक बेहतरीन और फीचर-लोडेड पैकेज है। इसमें 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जो वायर्ड एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले को सपोर्ट करता है। इसमें 4-स्पीकर वाला साउंड सिस्टम भी है। कनेक्टिविटी के लिए सिस्टम में ही इनबिल्ट नेविगेशन की सुविधा है। केबिन को ठंडा रखने के लिए मैनुअल एसी, स्टीयरिंग पर ही ऑडियो कंट्रोल्स (स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल्स) और चारों दरवाजों पर पावर विंडोज दी गई हैं। ड्राइविंग को आरामदायक बनाने के लिए टिल्ट एडजस्टेबल स्टीयरिंग व्हील और मैनुअल डे/नाइट आईआरवीएम दिया गया है। वहीं, इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल और पावर फोल्डिंग ओआरवीएम्ज़ मिलते हैं। 5. सेफ्टीः 6 एयरबैग और ईएसपी जैसे एडवांस्ड फीचर्स-कार में सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग्स, रियर पार्किंग सेंसर्स, सीटबेल्ट रिमाइंडर, स्पीड सेंसिटिव डोर लॉक, गाड़ी को फिसलने से बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी) और बेहतरीन ब्रेकिंग के लिए एबीएस के साथ ईबीडी, चढ़ाई पर कार को पीछे लुढ़कने से रोकने के लिए इसमें हिल होल्ड असिस्ट (एचएचए) जैसे फीचर्स हैं।

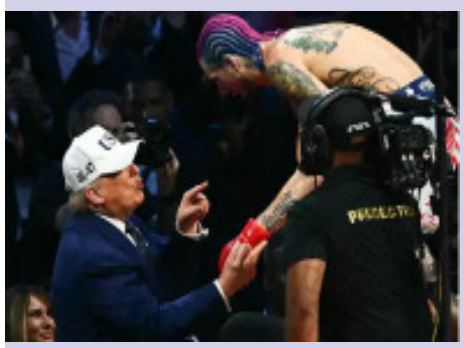

ट्रम्प ने जन्मदिन पर अब तक का सबसे महंगा शो, रु567 यूएफसी फाइट कराई,जीत के बाद विजेता राष्ट्रपति से मिला

वॉशिंगटन डीसी। जीत के तुरंत बाद बो निकल रिंग से बाहर आए और सीधे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास पहुंचे। दोनों ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत

की। ट्रम्प ने कहा- यह धरती का सबसे बड़ा शो- राष्ट्रपति ट्रम्प और कई अधिकारियों ने आयोजन की तारीफ की। ट्रम्प ने इसे 'धरती का सबसे बड़ा शो' बताया और 'क्लॉ' की तुलना पेरिस के एफिल टॉवर से की। वहीं विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यूएफसी को अमेरिका की सॉफ्ट डिप्लोमैटिक पावर बताया। इस इवेंट में कुल 14 फाइटर ने हिस्सा लिया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस आयोजन का सबसे बड़ा फायदा यूएफसी ब्रांड को मिल सकता है। एक समय ऐसा था, जब इस खेल को प्रायोजकों और कई आयोजकों ने स्वीकार नहीं किया था। एक अमेरिकी सीनेटर ने इसे कभी 'मानव मुर्गा लड़ाई' तक कहा था। 33 साल पहले शुरू हुआ था यूएफसी का सफर-अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप (यूएफसी) आज दुनिया की सबसे बड़ी मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) लीग है।

इसकी शुरुआत 1993 में अमेरिका में हुई थी। उस दौर में बॉक्सिंग, कराटे, कुश्ती और ब्राजीलियन जिउ-जित्सु जैसी अलग-अलग फाइटिंग शैलियों के समर्थक अपनी-अपनी तकनीक को सबसे प्रभावी बताते थे।

इस पर काफी बहस होती थी कि असली मुकाबले में कौन-सा मार्शल आर्ट सबसे ज्यादा कारगर साबित होगा।

इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए यूएफसी का पहला टूर्नामेंट आयोजित किया गया। इसमें ब्राजीलियन जिउ-जित्सु विशेषज्ञ रॉयस ग्रेसी चैंपियन बने।

ग्रेसी शारीरिक रूप से कई प्रतिद्वंद्वियों से छोटे और हल्के थे, लेकिन उन्होंने अपनी तकनीक के दम पर बड़े और ताकतवर फाइटर्स को हराकर सबको चौंका दिया। समय के साथ खेल का स्वरूप भी बदल गया। अब फाइटर्स सिर्फ एक शैली पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि बॉक्सिंग, रेसलिंग, जूडो, कराटे, ताइक्वांडो, जिउ-जित्सु और किक बॉक्सिंग जैसी कई तकनीकों को मिलाकर मुकाबला करते हैं। यही वजह है कि इसे आज 'मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स' कहा जाता है।

बांग्लादेश ने भारतीय राजनयिक को किया तलब, पीएम के सलाहकार को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोके जाने से नाराज

ढाका। बांग्लादेश ने प्रधानमंत्री के सूचना सलाहकार डॉ. जाहेद उर रहमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोके जाने के मामले में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को तलब किया है। ढाका ने इस घटना पर असंतोष जताते हुए भारत से जवाब मांगा है। डॉ. जाहेद उर रहमान इंडियन ओशन

रिम एसोसिएशन (आईओआरए) की बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें करीब दो घंटे तक रोके रखा और पूछताछ की। बाद में उन्हें भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी गई थी, लेकिन उन्होंने अपना पासपोर्ट वापस मांगा और भारत में आने से इनकार कर दिया। इसके बाद वह कोलंबो के रास्ते सोमवार को ढाका लौट गए। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को ही नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग ने भारत के विदेश मंत्रालय को आधिकारिक रूप से सूचित कर दिया था कि डॉ. जाहेद आईओआरए बैठक में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रियाज हमीदुल्लाह ने भी भारतीय अधिकारियों से इस यात्रा को लेकर बात की थी। इसी वजह से ढाका में कई वरिष्ठ अधिकारी इस पूरे घटनाक्रम को रहस्यमय बता रहे हैं। उनका कहना है कि पहले से आधिकारिक जानकारी देने के बावजूद एयरपोर्ट पर ऐसी स्थिति कैसे बनी, यह समझ से बाहर है। दावा- जाहेद का नाम सुरक्षा एजेंसियों की वॉचलिस्ट में था-डॉ. जाहेद के करीबी लोगों का दावा है कि उनका नाम भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की एक निगरानी सूची (वॉचलिस्ट) में था, जिसके कारण उनकी अतिरिक्त जांच की गई। उनका आरोप है कि भारत विरोधी सामग्री बनाने या प्रसारित करने के आरोपों की वजह से उनका नाम इस सूची में डाला गया था। हालांकि भारतीय अधिकारियों ने इन दावों की न पुष्टि की है और न ही खंडन किया है। नकारी के मुताबिक डॉ. जाहेद राजनयिक पासपोर्ट पर नहीं बल्कि सामान्य बांग्लादेशी पासपोर्ट और सार्क वीजा पर यात्रा कर रहे थे। उनके पास इस यात्रा के लिए कोई सरकारी अनुरोध पत्र भी नहीं था। दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के अधिकारियों ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मिशन के सभी विभागों को इस घटना की जानकारी नहीं थी। अधिकारी बोले- जाहेद के साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं किया-वहीं कई सूत्रों ने यह भी कहा कि भारतीय अधिकारियों ने डॉ. जाहेद के साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं किया। उनका मानना है कि यात्रा से जुड़ी समन्वय और संचार की कमी इस स्थिति की एक वजह हो सकती है। हालांकि अब तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। ढाका में सरकारी सूत्रों का कहना है कि पूरे मामले की समीक्षा की जा रही है और तथ्य सामने आने के बाद आगे का फैसला किया जाएगा। फिलहाल नई दिल्ली की ओर से आधिकारिक सफाई का इंतजार है।

पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग में ऑस्ट्रेलियाई बच्ची की मौत,लुटेरों ने घूमने आए परिवार से किया लूटपाट- पुलिस ने डकैत समझकर गोली मारी

इस्लामाबाद।पाकिस्तान में 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई बच्ची हानिया अहमद की पुलिस की गोलीबारी में मौत हो गई। हानिया अपने परिवार के साथ पाकिस्तान घूमने आई थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर के केवडेल इलाके का यह परिवार पंजाब के चकवाल शहर में अपने रिश्तेदारों से मिलने

आया था। बुधवार रात वे किराये की कार से सफर कर रहे थे, तभी कुछ बदमाशों ने उनके गहने लूट लिए। बताया गया है कि मोटरसाइकिल पर सवार दो लुटेरे वारदात के बाद भाग रहे थे। इसी दौरान एक पुलिसकर्मी की नजर उन पर पड़ गई। लुटेरे मौके से फरार हो गए और परिवार की किराये की कार भी वहां से आगे बढ़ गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पुलिस ने गलती से परिवार की कार को लुटेरों की गाड़ी समझ लिया और उस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से 9 साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसके पिता और बड़े भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। बच्ची की मां सुरक्षित है। पुलिस बोली- लुटेरों ने पहले गोली चलाई, पिता ने नकारा, पंजाब पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध लुटेरों ने एक पुलिस अधिकारी पर गोली चलाई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। हालांकि हानिया के पिता ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि पुलिस ने ही सबसे पहले गोली चलाई थी।इस घटना पर बयान देते हुए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। जांच पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि सबसे पहले परिवार और फिर बाकी लोगों को भी सच्चाई पता चल सके। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि वह मृत बच्ची के परिवार और घायल ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को हर संभव कांसुलर सहायता उपलब्ध करा रहा है। मंत्रालय ने परिवार के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त की। रिपोर्ट के मुताबिक, यह परिवार हाल ही में मक्का की धार्मिक यात्रा (हज/उमरा) पूरी करके पाकिस्तान पहुंचा था। पुलिस ने गोली चलाने वाले अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना की जांच के लिए एक संयुक्त जांच टीम (जॉइंट इन्वेस्टिगेशन टीम) भी बनाई गई है। पुलिस का कहना है कि लूटपाट में शामिल दो संदिग्ध लोगों को बाद में एक अलग मुठभेड़ में मार गिराया गया। इस घटना के बाद पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया दोनों देशों में लोगों में नाराजगी है। परिवार ऑस्ट्रेलिया में रहता था। पाकिस्तान के सीनियर पुलिस अधिकारियों ने इसे गलत पहचान की वजह से हुई एक दुखद घटना बताया है और कहा है कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के जरिए परिवार को न्याय दिलाया जाएगा। इस मामले ने पाकिस्तान में पुलिस के कामकाज पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बल प्रयोग और आम लोगों की मौत होने पर जवाबदेही तय करने के तरीकों पर चर्चा तेज हो गई है। मानवाधिकार संगठनों ने लंबे समय से पुलिस फायरिंग, हिरासत में दुर्व्यवहार और कथित फर्जी मुठभेड़ों को लेकर चिंता जताई है। वहीं अधिकारी भी मानते रहे हैं कि पुलिस की ट्रेनिंग और लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए सुधारों की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह पीड़ित परिवार की हर संभव मदद कर रहा है। मंत्रालय ने बताया कि वह मृत ऑस्ट्रेलियाई बच्ची के परिवार और इस घटना में घायल हुए दो ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को काउंसुलर सहायता उपलब्ध करा रहा है।

सैलून में हेयर वॉश हो सकता है खतरनाक,डॉक्टर से जानें क्या है ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम, 10 लक्षण इग्नोर न करें

गुरुग्राम। लोग अक्सर ग्रूमिंग के लिए सैलून जाते हैं। यहां हेयर कट से लेकर हेयर वॉश और स्पा तक कई सर्विस मिलती हैं। लोग अपनी पसंद और जरूरत के मुताबिक सर्विस चुनते हैं। क्या आपको पता है कि हेयर वॉश के दौरान सिर को लंबे समय तक पीछे झुकाकर रखने से स्ट्रोक हो सकता है। साल 2025 में 'द

अमेरिकन जर्नल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन' में इस बारे में एक रिव्यू पब्लिश हुआ। इसमें पिछले 50 वर्षों में पार्लर में हुए स्ट्रोक के 54 मामलों को एनालाइज किया गया। इनमें ज्यादातर घटनाएं सैलून में हेयर वॉश के दौरान हुई थीं। इस कंडीशन को 'ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम' कहा जाता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम क्या है और ये क्यों होता है? किन लोगों को ज्यादा रिस्क हो सकता है? सैलून में क्या सावधानियां रखनी चाहिए? विषय को समझेंगे डॉ. कृष्ण कुमार गोयल कंसल्टेंट, न्यूरोलॉजी, नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम क्या होता है?

जवाब- ये एक गंभीर हेल्थ कंडीशन है, जो सैलून में बाल धोते समय गर्दन के ज्यादा पीछे झुकने के कारण हो सकती है। इसे पॉइंट्स से समझिए-सैलून में हेयर वॉश के दौरान अक्सर गर्दन को लंबे समय तक पीछे की ओर झुकाकर रखना होता है। इस पोजिशन से गर्दन की ब्लड वेसल्स पर दबाव पड़ता है। इससे डैमेज का रिस्क हो सकता है। इसके कारण ब्रेन तक ब्लड का फ्लो बिगड़ सकता है। इससे स्ट्रोक या मिनी-स्ट्रोक (ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक) का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम क्यों होता है? जवाब- इसका मुख्य कारण बाल धोते समय गर्दन को लंबे समय पीछे झुकाकर रखना है। इसे ऐसे समझिए- ब्रेन को लगातार ऑक्सीजन और ब्लड की जरूरत होती है। यह गर्दन से गुजरने वाली ब्लड वेसल्स के जरिए पहुंचता है। जब हेयर वॉश के दौरान गर्दन को बहुत ज्यादा पीछे झुकाया जाता है तो इन वेसल्स पर दबाव या खिंचाव पड़ सकता है। इसके कारण ब्रेन तक पहुंचने वाला ब्लड फ्लो अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकता है। कुछ मामलों में आर्टरीज की अंदरूनी लेयर को नुकसान भी हो सकता है। इससे ब्लड क्लॉटिंग का रिस्क बढ़ जाता है। अगर ब्लड फ्लो बाधित हो या कोई क्लॉट ब्रेन तक पहुंच जाए तो स्ट्रोक या मिनी-स्ट्रोक हो सकता है। ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम वह है, जब बाल धो गर्दन लंबे समय तक पीछे की ओर झुकी रहती है। इससे वर्टिब्रल आर्टरी पर दबाव पड़ता है, ब्लड फ्लो प्रभावित होता है और ब्रेन तक ब्लड सप्लाई कम हो जाती है। इससे स्ट्रोक का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- ब्रेन के लिए यह कैसे खतरनाक है?

जवाब- जब किसी वजह से ब्लड सप्लाई रुकती है, तो कुछ ही मिनटों में ब्रेन सेल्स डैमेज होना शुरू हो जाती हैं। जिस हिस्से तक ब्लड नहीं पहुंचता, वहां की सेल्स काम करना बंद कर देती हैं। इसका बॉडी के कई जरूरी फंक्शंस प्रभावित हो सकते हैं, जैसे-बोलने में दिक्कत। चलने-फिरने में परेशानी। धुंधला या कम दिखाई देना। याददाश्त में कमी और बैलेंस बिगड़ना। समय पर इलाज न मिलने से ये नुकसान स्थायी भी हो सकता है। सवाल- 'ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम' के लक्षण क्या होते हैं?

जवाब- इसके लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि ब्रेन का कौन-सा हिस्सा प्रभावित हुआ है। ये लक्षण तुरंत भी दिख सकते हैं या सैलून ट्रीटमेंट के कुछ दिन या हफ्तों बाद भी सामने आ सकते हैं। सैलून में हेयर वॉश कराने वाले हर व्यक्ति को यह समस्या नहीं होती, लेकिन कुछ खास स्थितियों में इसका रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम कैसे डायग्नोज किया जाता है? जवाब- इसके लिए डॉक्टर सबसे पहले पूरा न्यूरोलॉजिकल चेक-अप करते हैं। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि ब्रेन का कौन-सा हिस्सा प्रभावित हुआ है। इसके लिए कुछ टेस्ट किए जाते हैं, जैसे- सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी इमेजिंग टेस्ट। मैग्नेटिक रेजोनेंस एंजियोग्राफी। ईसीजी और इकोकार्डियोग्राम जैसे टेस्ट। सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम का ट्रीटमेंट क्या है? जवाब- इसका इलाज अन्य स्ट्रोक की तरह ही किया जाता है। इलाज का मुख्य उद्देश्य होता है- ब्रेन में ब्लड फ्लो को स्थिर करना।

स्थिति को बिगड़ने से रोकना। भविष्य में दोबारा स्ट्रोक का रिस्क कम करना। इसके लिए डॉक्टर आमतौर पर- ब्लड थिनर (खून पतला करने वाली दवाएं) देते हैं, ताकि नसों में क्लॉट बनने या बढ़ने से रोका जा सके। जरूरत पड़ने पर अन्य सपोर्टिव ट्रीटमेंट भी दिए जाते हैं, जो मरीज की स्थिति पर निर्भर करते हैं। अगर स्ट्रोक के बाद कमजोरी, संतुलन या मूवमेंट से जुड़ी समस्या बनी रहती है, तो- फिजियोथेरेपी, रिहैबिलिटेशन थेरेपी, की मदद ली जाती है, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी रोजमर्रा की एक्टिविटीज में सुधार कर सके। सवाल- ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम से कैसे बचें? जवाब- सबसे पहले ये देखें कि इस दौरान आप रिलैक्स महसूस कर रहे हैं या नहीं। अगर समस्या हो रही है तो गर्दन में सपोर्ट के लिए पिलो आदि मागें या गर्दन का एंगल सही करने को कहें। ग्राफिक में देखिए, इससे बचने के लिए क्या-क्या करना चाहिए- इन पॉइंटर्स को एक-एक करके थोड़ा विस्तार से बताते हैं- गर्दन को सपोर्ट और आराम दे-,हेयर वॉश के दौरान वॉश बेसिन के किनारे एक मुलायम तौलिया या कुशन रखवाएं, ताकि गर्दन और सिर को सपोर्ट मिले और अनावश्यक खिंचाव न पड़े। गर्दन का एंगल सही रखें-ध्यान रखें कि बाल धोते समय गर्दन जरूरत से ज्यादा पीछे न झुके। कोशिश करें कि गर्दन का झुकाव 20 डिग्री से ज्यादा न हो। इसे हल्के और सहज एंगल में रखें, ताकि गर्दन की नसों और मसल्स पर ज्यादा दबाव न पड़े। सही पोश्चर में बैठें- बाल धोते समय गर्दन को सिंक के सख्त किनारे पर टिकाने की बजाय थोड़ा आगे की ओर झुककर बैठें, जिससे सिर और गर्दन पर जोर कम पड़े। बेसिन पर सिर ज्यादा देर पीछे न रखें- कई बार बाल धोने के बाद वहीं खड़े-खड़े या सिंक के ऊपर तौलिए से बाल सुखाए जाते हैं। बेहतर है कुर्सी पर सीधा बैठकर या थोड़ा आगे झुककर तौलिए का इस्तेमाल करने को कहें।दर्द/असहजता हो तो तुरंत बताएं-अगर वॉश के दौरान दर्द, चक्कर या किसी भी तरह की परेशानी महसूस हो तो बिना झिझक सैलून स्टाफ को बताएं, ताकि पोजिशन तुरंत बदली जा सके। बीच-बीच में ब्रेक लें- अगर हेयर वॉश या कोई ट्रीटमेंट लंबा चल रहा हो, तो बीच में गर्दन को सीधा करके कुछ देर आराम दें।नेक सपोर्ट का इस्तेमाल करें- गर्दन के नीचे तौलिया या नरम कुशन रखने से दबाव कम पड़ता है और गर्दन ज्यादा आरामदायक स्थिति में रहती है। अचानक गर्दन को झटका न दें-सिर को पीछे या आगे करते समय धीरे-धीरे मूव करें। अचानक झटका लगने से गर्दन की मसल्स और ब्लड वेसल्स पर तनाव बढ़ सकता है।

मिथुन चक्रवर्ती हुए 76 के, कभी बिल्डिंग की टंकी-फुटपाथ पर सोए, झूठ से खतरे में डाली ऋषि कपूर की जान

मुंबई। कोई शक.., तेरे नाम का कुत्ता पालूंष्ठ ये डायलॉग डिस्को डांसर मिथुन चक्रवर्ती के हैं। मिथुन 16 जून को 76 साल के हो चुके हैं। पिछले साल दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित होने वाले मिथुन चक्रवर्ती कभी नक्सली थे, लेकिन करंट लगने से भाई की मौत के बाद वो परिवार के पास लौट आए और फिर पुणे के फिल्म्स एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से एक्टिंग सीखी। काम की तलाश में मिथुन ने कभी गरीबी में कई महीने काटे, तो कभी कई दिनों तक भूखे रहे। कभी उन्होंने हेलन और रेखा जैसी बड़ी एक्ट्रेसेस के स्पॉटबॉय का भी काम किया और नाम तक बदल लिया, लेकिन समय के साथ हुनर और लगन ने उन्हें हिंदी सिनेमा का टॉप एक्टर बना दिया। मिथुन पहले एक्टर हैं, जिनकी फिल्म डिस्को डांसर 100 करोड़ से ज्यादा कमाई करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी। किस्सा- 1- गुस्से में शक्ति कपूर को कर दिया था टकला- शक्ति कपूर और मिथुन चक्रवर्ती ने पुणे के एफटीआईआई से पढ़ाई की थी। मिथुन सीनियर थे, जबकि शक्ति कपूर ने उनके बाद दाखिला लिया था। दोनों की पहली मुलाकात ठीक नहीं रही और रैगिंग के नाम पर मिथुन ने शक्ति के बाल खींचे और टकला कर दिया। हुआ कुछ यूं कि शक्ति कपूर अपना होमटाउन दिल्ली छोड़कर पुणे के एफटीआईआई जा रहे थे। ट्रेन में उनकी मुलाकात एक शख्स से हुई, जो खुद भी वहीं एडमिशन लेने जा रहा था। रास्ते में दोनों की अच्छी दोस्ती हो गई और शक्ति भी उस लड़के के साथ मुंबई चले गए। मुंबई में उन्हें पता चला कि वो शादी उस वक्त के मशहूर एक्टर विनोद खन्ना के भाई प्रमोद खन्ना की है। शादी में राकेश रोशन सहित कई बॉलीवुड हस्तियां मौजूद थीं। स्टार्स के बीच खड़े शक्ति कपूर भी खुद को स्टार समझने लगे। शादी खत्म होने के बाद राकेश रोशन और विनोद खन्ना के भाई प्रमोद, शक्ति कपूर और उनके दोस्त को हॉस्टल छोड़ने गए। गेट पर उन्हें धोती पहने हुए एक शख्स दिखा। डीडी उर्दू को दिए

इंटरव्यू में शक्ति कपूर ने बताया है कि उस शख्स की धोती में इतने छेद थे, जिन्हें गिना भी नहीं जा सकता था। उस शख्स ने राकेश रोशन के पैर छुए। पास खड़े शक्ति कपूर के हाथ में बीयर थी, तो उन्होंने इंप्रेशन झाड़ते हुए उस शख्स से पूछा, 'बीयर पियोगे?' वो शख्स थे मिथुन चक्रवर्ती। उन्होंने गुस्से में कहा, हॉस्टल में इसकी अनुमति नहीं है। जैसे ही राकेश रोशन और प्रमोद वहां से निकले वैसे ही मिथुन ने शक्ति कपूर के बाल पकड़ लिए और कहा- 'मैं तुम्हारा सीनियर हूं। तुम क्या खुद को स्टार समझते हो।' ये कहते ही शक्ति कपूर के बाल काट दिए गए। रैगिंग लेते हुए, सारे सीनियर्स ने शक्ति को पूल के कई चक्कर कटवाए। थककर शक्ति कपूर जोर-जोर से रोने लगे और कहा, मैं घर वापस जाना चाहता हूं, मुझे एक्टर नहीं बनना। कुछ देर बाद मिथुन को दया आ गई और वो उन्हें सबसे बचाकर एक कमरे में ले गए। किस्सा- 2-सांवले रंग से परेशान रहते थे मिथुन, शबाना आजमी की मां से की थी शिकायत- एफटीआईआई में पढ़ते हुए शबाना आजमी मिथुन चक्रवर्ती की सीनियर हुआ करती थीं। उनकी और शबाना की गहरी दोस्ती हो गई और कई बार मिथुन उनके घर भी जाया करते थे। वो अक्सर सबसे कहा करते थे कि वो रंग गोरा न होने से बेहद परेशान रहते हैं। एक दिन शबाना उन्हें घर ले गईं। उस दिन शबाना की मां शौकत आजमी से बात करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने उनसे सांवले रंग की शिकायत की। ये सुनते ही ही शौकत आजमी ने उन्हें गले लगा लिया और कहा- 'ये सब सोचकर परेशान मत हो। तुम बहुत अच्छा डांस करते हो।' ये किस्सा शबाना आजमी ने अरबाज खान के चैट शो में सुनाया था। किस्सा- 3- रहने का ठिकाना नहीं था, तो गार्ड से छिपकर टंकी में सोते थे मिथुन- पुणे से पढ़ाई पूरी कर मिथुन चक्रवर्ती काम की तलाश में मुंबई आ गए। यहां न उनके पास रहने के लिए कोई जगह थी और न ही किराया देने के लिए पैसे। ऐसे में वो लंबे समय तक कुछ बिल्डिंग्स की छतों पर बनी टंकी में छिपकर सोते थे, जिससे गार्ड उन्हें देखकर भगा न दे। डांस प्लस 5 रियलिटी शो में पहुंचे मिथुन ने ये किस्सा सुनाते हुए कहा, 'मैंने कभी सपने देखना नहीं छोड़ा और हमेशा हकीकत का सामना किया। जब मैं मुंबई आया था, मेरे पास रहने का कोई ठिकाना नहीं था और वे ऐसे दिन थे जब मैं इमारतों की छतों पर बनी पानी की टंकियों पर छिप जाता था और वहीं सो जाता था ताकि सिक्योरिटी गार्ड मुझे देख न सकें और मुझे वहां से बाहर न निकाल दें।' किस्सा- 4- रूममेट ने घर से निकाला, जिम मालिक ने बाथरूम साफ करने की शर्त रखी-मुंबई में रहते हुए उन्हें

एक दोस्त ने अपने कमरे में जगह दे दी। कुछ दिनों बाद उस लड़के ने भी मिथुन को घर से निकाल दिया। ऐसे में मिथुन कई दिनों तक फुटपाथ में ही गुजारा करते रहे। मिथुन बाथरूम इस्तेमाल करने के लिए एक जिम जाते थे, ऐसे में जिम के मालिक ने शर्त रखी थी कि अगर बाथरूम यूज करना है, तो रोज आकर सफाई करनी पड़ेगी। ये किस्सा मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह ने सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में सुनाया था। डांस इंडिया डांस शो में मिथुन ने बताया कि उन्होंने कई रातें भूख में फुटपाथ में सोकर गुजारीं। यही वजह है कि वो कभी नहीं चाहते कि उनकी बायोपिक बने, क्योंकि उनकी कहानी, लोगों को तोड़ देगी।किस्सा- 5-फ्लर्ट करते देख मृणाल सेन ने दी पहली फिल्म मृगया- मिथुन चक्रवर्ती ने 1976 की फिल्म मृगया से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के लिए उन्हें कॉलेज के दिनों में ही कास्ट कर लिया गया था। दरअसल, हुआ कुछ यूं कि जिस समय मिथुन पुणे के एफटीआईआई में पढ़ रहे थे, तब डायरेक्टर मृणाल सेन फिल्म मृगया के लिए एक ऐसे लड़के की तलाश में थे, जो दुबला-पलता, सांवला हो, जो कुछ हद तक संथाल आदिवासी की तरह दिखे। उन्होंने कास्टिंग की जिम्मेदारी अपने कैमरामैन के.महाजन को सौंपी थी। एक दिन के.महाजन की नजर कॉलेज के कॉरिडोर में खड़े मिथुन चक्रवर्ती पर पड़ी, जो वहां कुछ लड़कियों के साथ खड़े फ्लर्ट कर रहे थे। उन्हें मिथुन की पर्सनैलिटी इतनी पसंद आई कि उन्होंने मृणाल सेन को बताया। मृणाल ने सोच लिया कि जब फिल्म बनाएंगे, तो मिथुन को ही कास्ट करेंगे, लेकिन फिल्म बनने में देरी हुई और मिथुन पढ़ाई पूरी कर मुंबई आकर रहने लगे। जब फिल्म शुरू की तो उन्होंने मिथुन को कोलकाता बुलाया और फिल्म ऑफर की। किस्सा- 6- नेशनल अवॉर्ड मिला, तो दिल्ली जाने के पैसे नहीं थे, रेखा ने मदद की-मृगया फिल्म बनने के बाद भी मिथुन की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं आया। ऐसे में वो हेलन के स्पॉटबॉय बन गए। स्पॉटबॉय बनने के बाद उन्होंने अपना नाम राणा रेज कर लिया। 6 जून 1976 को फिल्म मृगया रिलीज हुई, जिसके लिए मिथुन को नेशनल अवॉर्ड मिला। अवॉर्ड सेरेमनी दिल्ली में होनी थी, लेकिन मिथुन के पास टिकट तक के पैसे नहीं थे। रेखा भी उसी समय एक फिल्म की शूटिंग के लिए दिल्ली जा रही थीं। जब उन्हें मिथुन के बारे में पता चला तो वो उन्हें अपना स्पॉटबॉय बनाकर साथ में दिल्ली ले गईं और खुद उनकी फ्लाइट टिकट बुक करवाई। किस्सा- 7-इंटरव्यू लेने आए शख्स से कहा- 2 दिन से भूखा हूं, पहले खाना खिलाओ-स्ट्रगल के दौरान ऐसा कई बार हुआ, जब मिथुन ने भूखे पेट रातें गुजारीं। पहली फिल्म 'मृगया' के बाद भी उन्हें स्ट्रगल करना पड़ा। नेशनल अवॉर्ड मिलने के बाद जब एक पत्रकार उनका इंटरव्यू लेने पहुंचा तो भूख के मारे आवाज नहीं निकल रही थी। उन्होंने पत्रकार से कहा- 2 दिन से भूखा हूं, पहले खाना खिलाओ, फिर इंटरव्यू दूंगा। आगे चलकर मिथुन चक्रवर्ती ने तराना, पतिता, हम पांच, हम से बढ़कर कौन, तकदीर का बादशाह जैसी फिल्मों से इंडस्ट्री में जगह बना ली और साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर होने लगी। किस्सा- 8 ड्राइविंग नहीं आती थी, लेकिन कार चलाई, ऋषि कपूर को टक्कर मारी- ऋषि कपूर और मिथुन चक्रवर्ती ने 1978 की फिल्म फूल खिले हैं गुलशन गुलशन में साथ काम किया था। ये फिल्म मिथुन के करियर का बड़ा ब्रेक होने वाली थी। एक दिन शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले डायरेक्टर सिकंदर खन्ना ने मिथुन से पूछा- क्या तुम कार चलाना जानते हो।मिथुन कार ड्राइविंग में कच्चे थे। लेकिन उन्हें डर था कि ये बताने के बाद डायरेक्टर कहीं उनके सीन न काट दे। ऐसे में उन्होंने झूठ कहा कि वो ठीक तरह कार चला लेते हैं। तसल्ली होने के बाद डायरेक्टर ने उन्हें सीन बताया। स्क्रिप्ट के अनुसार, मिथुन को तेज रफ्तार में कार लाकर ऋषि कपूर के पास में रोकना था, जिससे वो कार में बैठ सकें। जैसे ही एक्शन बोला गया, मिथुन ने एक्सेलेटर पर पैर मारा और तेज रफ्तार में कार चलानी शुरू कर दी। उन्हें ब्रेक मारने में देरी हो गई, जिससे तेज रफ्तार में कार ऋषि कपूर से आ टकराई और उनका चेहरा कार की बोनट से जा टकराया। ऋषि कपूर के मुंह से खूब खून बहा। गलती का एहसास होने के बाद मिथुन चक्रवर्ती ने तुरंत डायरेक्टर, ऋषि कपूर और सेट पर मौजूद हर शख्स से माफी मांगी। उन्होंने साफ बता दिया कि रोल कट जाने के डर से उन्होंने झूठ बोला था। हालांकि सबने उन्हें माफ कर दिया और ब्रेक के बाद शूटिंग दोबारा पूरी सावधानी के साथ शुरू की। फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करने के बाद मिथुन को 1983 की फिल्म डिस्को डांसर से स्टारडम मिला। ये 100 करोड़ कमाने वाली पहली फिल्म रही। इस फिल्म से मिथुन को ओवरनाइट स्टारडम मिल गया। किस्सा-9- जब राजकुमार ने डायरेक्टर से मिथुन की कास्टिंग पर कहा- ये किस स्ट्रगलिंग एक्टर को उठा लाए मिथुन चक्रवर्ती को 80 के दशक में उस दौर के स्टार राजकुमार के साथ फिल्म गोलियों के बादशाह में छोटा सा रोल मिला था। राजकुमार का रवैया नए एक्टर्स के साथ उस समय ठीक नहीं था। शूटिंग के पहले ही दिन जब मिथुन कॉस्ट्यूम पहनकर तैयार हुए, तो उन्हें देख राजकुमार ने डायरेक्टर से कहा- माना कि रोल छोटा है, लेकिन इसके लिए आप किसी स्ट्रगलिंग एक्टर को क्यों ले आए। किसी अच्छे एक्टर को लेना था, ये किसे उठा लाए। मिथुन को ये बात काफी बुरी लगी। वो सीधे राजकुमार के पास गए और कहा- जिस स्ट्रगलिंग एक्टर की आप बात कर रहे हैं, वो मैं ही हूं। मिथुन को देख राजकुमार हंस पड़े और कहा- तुम यहां कहां आ गए एक्टिंग करने। ये कोई बच्चों का खेल नहीं है। इस पर मिथुन ने कहा- जानता हूं कि ये बच्चों का खेल नहीं है। मैं 7 साल से एक्टिंग कर रहा हूं। एक दिन मैं भी बड़ा एक्टर बनूंगा। ये सुनकर राजकुमार फिर हंसे और कहा- कोई छोटा-मोटा रोल चाहिए हो तो बताना। मिथुन चक्रवर्ती के बारे में ये भी पढ़िए- 16 जून, 1950 को कोलकाता में जन्मे मिथुन का असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। 1984 में आई फिल्म 'जाग उठा इंसान' में मिथुन-श्रीदेवी ने पहली बार स्क्रीन शेयर की थी। इस फिल्म की शूटिंग के साथ दोनों के अफेयर की खबरें आने लगी थीं। मिथुन चक्रवर्ती ने एक इंटरव्यू में खुद कबूल किया था कि उन्होंने श्रीदेवी से गुपचुप शादी की थी। मिथुन के पास मुंबई के अलावा ऊटी में भी शानदार बंगला है। उनके मुंबई वाले घर में जहां 38 कुत्ते हैं। ऊटी वाले बंगले में वे इसके दोगुने यानी 76 कुत्ते पाले हुए हैं। वे 350 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं और अब भी बॉलीवुड में सक्रिय हैं। उन्हें पद्मभूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। मिथुन चक्रवर्ती की 1989 में 19 फिल्में रिलीज हुई थीं। एक्टर ने अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया था। इस बात को तकरीबन 35 साल हो गए हैं, लेकिन आज तक कोई भी एक्टर इस रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया है।

'कुमकुम भाग्य' एक्ट्रेस संचिता ने सुसाइड किया,साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई,मौत से कुछ घंटे पहले रील पोस्ट की

मुंबई। टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य से मशहूर हुईं एक्ट्रेस संचिता उगले ने रविवार रात को सुसाइड कर लिया। वे 22 साल की थीं। पुलिस ने बताया कि एक्ट्रेस का शव घर में सीलिंग फैन से लटका

मिला। उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई। मुंबई पुलिस मीडिया को बताया, 'हमारी टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। घटना के समय वे घर में अकेली थीं। उनके पिता ने बेटी की मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।' संचिता अपने माता-पिता के साथ महाराष्ट्र के पालघर में रहती थीं। रविवार शाम करीब 5:30 बजे उनकी बहन अंजली घर से बाहर गई थी। इसी दौरान संचिता ने अपने बेडरूम के सीलिंग फैन से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। परिवार संचिता को महानगरपालिका के तुलिंज अस्पताल लेकर गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वे टीवी सीरियल 'कुमकुम भाग्य' के अलावा 'वागले की दुनिया' में भी नजर आई थीं। मौत से कुछ घंटों पहले वीडियो पोस्ट किया संचिता के निधन से ठीक कुछ घंटों पहले ही उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक रील पोस्ट की गई थी। वीडियो में एक्ट्रेस 'डफली वाले, डफली बजा' गाने पर लिपसिंक करती दिखी थीं। इस वीडियो के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा था, 'मैं नाचूं, तू नचा।' कमेंट सेक्शन में एक्ट्रेस के फैंस उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव थीं और लगातार पोस्ट करती रहती थीं। उनके इंस्टाग्राम पर 1 लाख 39 हजार फॉलोअर्स हैं। भाई ने मीडिया से बातचीत में कहा, मेरी बहन बहुत डर गई थी। इंडस्ट्री दबा देती है, धमकी देती है। जैसा सुशांत के साथ किया, उसे अंदर से खोखला कर दिया। इसमें बड़े-बड़े लोगों का हाथ होता है। यहां पावर गेम होता है। हमारे जैसे मिडिल क्लास के लोग आगे जाते हैं, तो उसे दबा दिया जाता है। चचेरा भाई बोला- सुशांत की तरह इंडस्ट्री ने दबाया- संचिता के चचेरा भाई आकाश उगले ने मीडिया से बातचीत में दावा किया है कि संचिता को फिल्म इंडस्ट्री द्वारा दबाया जा रहा था। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत से जुड़ा सोशल मीडिया का एक वीडियो दिखाते हुए दावा किया है कि ये संचिता की फर्जी आईडी से पोस्ट किया गया है, जिसमें लिखा था, 'आज फिर 14 जून है'।

अनुराग कश्यप का संघर्ष-सब झेलकर आज हैं फ्रांस से सम्मानित सफल फिल्ममेकर

मुंबई। उनका करिअर गंभीर चुनौतियों से भरा रहा है। फिलहाल

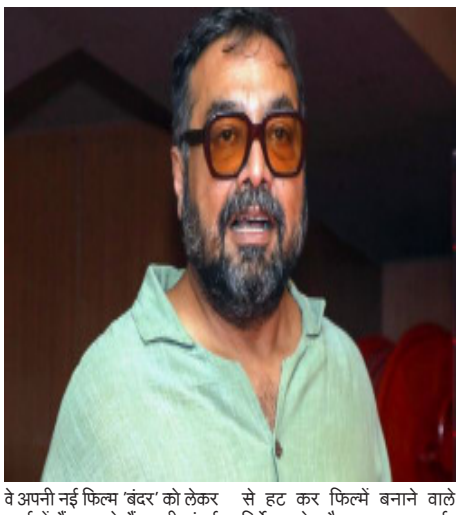

वे अपनी नई फिल्म 'बंदर' को लेकर चर्चा में हैं। जानते हैं उनकी संघर्ष से सफलता की कहानी-लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए प्रख्यात अनुराग का जीवन खुद किसी सिनेमाई पटकथा जैसा है। गोरखपुर में 10 सितंबर 1972 को जन्मे अनुराग वैज्ञानिक बनना चाहते थे। दिल्ली के हंसराज कॉलेज में उन्होंने जूलॉजी की पढ़ाई के लिए दाखिला लिया, लेकिन यहां हॉस्टल में रहते हुए उन पर थिएटर और फिल्मों का जुनून सवार हो गया। इसी जुनून ने उनकी राह बदल दी। संघर्ष - सड़कों पर सोए, अवसाद में दो बार दिल का दौरा पड़ा-फिल्म निर्माण का सपना लेकर 21 वर्ष के अनुराग मुम्बई पहुंचे तो जेब में महज 5 हजार रुपए थे। महीनों तक वे सड़क की बेंचों पर सोए, छात्रावासों में खाना खाया। फिल्मों से जुड़ने के लिए पृथ्वी थिएटर में वेटर की नौकरी की। 1995 में उन्होंने ऑटो नारायण और जयते फिल्मों की कहानी लिखी, लेकिन दोनों रिलीज ही नहीं हो पाईं। फिल्म निर्माण में भी पहली फिल्म 'पांच' सेंसर बोर्ड की आपत्ति के चलते रिलीज नहीं हुई, जबकि ब्लैक फ्राइडे भी तीन साल तक अटकी रही। कोरोना काल में कश्यप सुकेतु मेहता की किताब मैक्सिमम सिटी पर फिल्म बना रहे थे लेकिन बीच में ही नेटफ्लिक्स ने प्रोजेक्ट रद्द कर दिया। इससे उन्हें गंभीर आर्थिक संकट झेलना पड़ा। अवसाद के कारण उन्हें दो बार दिल के दौरे तक पड़े। कश्यप को 1998 में पहला बड़ा ब्रेक रामगोपाल वर्मा की 'सत्या' में को-राइटर के तौर पर मिला। निर्देशक के तौर पर वर्ष 2009 टर्निंग प्वाइंट रहा, जब उनकी 'देव डी' बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई और 'गुलाल' ने खासी प्रशंसा बटोरी। इससे उनकी पहचान लीक से हट कर फिल्में बनाने वाले निर्देशक के तौर पर मजबूत हुई। 2012 में 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' की बड़ी सफलता ने अनुराग को बॉलीवुड के नामचीन निर्माता-निर्देशकों की कतार में स्थापित कर दिया। अनुराग 'क्वीन', 'लंच बॉक्स', 'उड़ान', 'सुपर 30' जैसी बेहतरीन फिल्मों समेत करीब 120 फिल्मों का निर्माण व निर्देशन कर चुके हैं। 46 फिल्मों में उन्होंने अभिनय भी किया है। उन्हें फिल्मफेयर और आईआईएफए समेत कई पुरस्कार मिल चुके। फ्रांस सरकार ने उन्हें अपने सर्वोच्च सांस्कृतिक सम्मान से नवाजा है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।